वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 59 मंगलवार 4 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने किया भगवान शिव का अभिषेक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के पहले सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की।

अंगदान दिवस पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें: बागड़े

अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर अंगदान और जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार हो

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अंगदान मानवता के लिए अपने आपको समर्पण करने से जुड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर है। इसे भगाने और इस सम्बन्ध में लोगों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया है। राज्यपाल बागड़े सोमवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किडनी का सफल प्रत्यारोपण एक दिसम्बर 1971 को तमिलनाडु में हुआ। उन्होंने इतने वर्ष पहले अंग प्रत्यारोपण होने के बावजूद अंगदान के प्रति जागरूकता नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि अंगदान दिवस मनाने की बजाय इसे एक आंदोलन मानकर क्रियान्वित किया जाए। राज्यपाल ने अंगदान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम घर में एक दिन पहले बनी रोटी नहीं खाते परन्तु बाजार से पुरानी बनी ब्रेड खरीदकर खा लेते हैं

देश में हर साल 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जांन गंवा रहे

राज्यपाल ने आरम्भ में उन सभी महान आत्माओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपना अंग दान कर दूसरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने सभी को अंगदान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हर वर्ष लाखों लोग विभिन्न अंगों की आवश्यकता के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। किडनी, लिवर, हृदय और फेफड़ों की मांग आज भी सर्वाधिक है। पर उपलब्धता बहुत कम है।

व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने खान पान की आदतों में सुधार किए जाने और व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु प्रो. प्रमोद येवले और राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने अंगदान के महत्व और आयोजन से जुड़े सरोकारों के बारे में जानकारी दी।

सावन की फुहारों के बीच 'आया सावन झूम के' कार्यक्रम में झूमे सन्मति ग्रुप के सदस्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर द्वारा रिवासा रिसोर्ट, जयसिंहपुरा रोड पर आयोजित "ONE NIGHT STAY-आया सावन झूम के'' कार्यक्रम उत्साह, उमंग और मनोरंजन के माहौल में संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राजेश पाटनी एवं रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप के 100 से अधिक सदस्यों ने भाग लेकर सावन की थीम पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत एवं हाई-टी के साथ हुआ। इसके बाद सदस्यों ने स्विमिंग, मनोरंजक हाउजी तथा सावन थीम पर आधारित फिल्मी गीतों का आनंद लिया। शाम को गायक फतेह अली की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। रात्रि में आयोजित म्यूजिकल नाइट में सदस्यों ने सावन के सदाबहार गीतों पर जमकर गीत-संगीत और नृत्य का आनंद लिया। इसके बाद देर रात तक चले कैसीनो थीम कार्यक्रम ने सभी को रोमांचित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य समन्वयक मनीष-शोभना लोंग्या, समन्वयक चक्रेश-पिंकी जैन एवं दिलीप-प्रमिला जैन तथा संयोजक चेतन-अनामिका पापड़ीवाल एवं विमल-शिमला जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी, संस्थापक अध्यक्ष राकेश समता गोदिका तथा निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या ने ग्रुप के नए सदस्य राजेंद्र ठोलिया एवं सुबोध चांदवाड़ का माल्यार्पण कर स्वागत किया। साथ ही ग्रुप सदस्य एडवोकेट जे.एम. जैन एवं श्रीमती आशा गोधा को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनका सम्मान भी किया गया। संस्थापक अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर द्वारा आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता में ग्रुप की दो टीमों ने भाग लिया। इनमें पंकज पाटनी एवं मंजू ठोलिया की टीम ने 12 टीमों के बीच तृतीय स्थान प्राप्त कर ग्रुप का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। अंत में सचिव संजय-ज्योति छाबड़ा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे पारिवारिक आयोजन आपसी स्नेह, एकता और सामाजिक सौहार्द को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

कोलकाता के बंगबासी में गूंजा धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रान्त) का आह्वान

आचार्य श्री 108 वसुनंदी महामुनिराज के 39वें वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव में राजस्थान प्रान्त के सदस्यों ने लिया संकल्प

बंगबासी (कोलकाता). शाबाश इंडिया

बंगबासी दक्षिण हावड़ा जैन समाज एवं साधु सेवा समिति, कोलकाता के तत्वावधान में रविवार को विवेक विहार स्थित हावड़ा मिल्स क्लब हाउस परिसर में प्राकृत भाषा चक्रवर्ती परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी महामुनिराज ससंघ के 39वें वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्य, श्रद्धामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा एवं झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं, समाजसेवियों एवं धमार्नुरागियों ने भाग लेकर गुरुदेव के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रान्त) के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला (जयपुर) के नेतृत्व में राजस्थान प्रान्त के पदाधिकारी, विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। आचार्य श्री वसुनंदी महाराज के पावन सान्निध्य एवं प्रेरणा से संस्थान ने धर्म संरक्षण तथा जैन समाज के सशक्त भविष्य के लिए व्यापक जनजागरण का आह्वान किया। संस्थान ने कहा कि यदि जैन धर्म की गौरवशाली परम्परा को सुरक्षित रखना है तो प्रत्येक जैन परिवार को केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न रहकर व्यावहारिक जीवन में भी अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। इसी उद्देश्य से समाज के समक्ष अनेक महत्वपूर्ण संकल्प प्रस्तुत किए गए। संस्थान के संयुक्त महामंत्री संजय जैन बड़जात्या (कामा) ने बताया कि संस्थान ने युवाओं को संस्कारवान बनाने के साथ जैन समाज की जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। प्रत्येक जैन से अपने नाम के साथ ''जैन'' उपनाम लिखने तथा अपनी पहचान कभी न छिपाने का आग्रह किया गया। साथ ही बच्चों के जन्म प्रमाण-पत्र, विद्यालय प्रवेश, शैक्षणिक अभिलेखों एवं अन्य सभी सरकारी दस्तावेजों में धर्म के स्थान पर ''जैन'' अंकित कराने की अपील की गई। संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया ने बताया कि धर्म जागृति संस्थान ने समाज से विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कारों में जैनेत्तर विवाह से परहेज करने तथा बेटियों एवं युवाओं में जैन संस्कारों के प्रति जागरूकता विकसित करने का आह्वान किया। साथ ही जैनेत्तर परिवारों में भी जैन संस्कृति एवं अहिंसा के संस्कारों के प्रचार-प्रसार का संदेश दिया गया। संस्थान ने समान नागरिक संहिता के विषय में समाज को जागरूक रहने, संतों के विहार एवं प्रवास के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जनगणना में धर्म के कॉलम में ''जैन'' लिखने का विशेष आग्रह किया। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि प्रत्येक जैन मंदिर, संस्था, सोसायटी एवं देवस्थान का विधिवत पंजीकरण होना चाहिए। संस्थाओं की सम्पत्तियों से संबंधित सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं तथा भूमि का सीमांकन कराया जाए, क्योंकि ''संस्था बचेगी तो धर्म बचेगा, धर्म बचेगा तो समाज बचेगा।'' धर्म जागृति संस्थान ने सभी समाजजनों से धर्म, देव, शास्त्र एवं गुरु की रक्षा और सेवा के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि ''संस्कारवान समाज ही सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। यदि आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत देर हो जाएगी।'' इस अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारी योगेश जैन, ई. भूपेन्द्र जैन, राजकुमार सरावगी, निकुंज जैन, नीरज जैन तथा संरक्षक आर.सी. गर्ग, ओमप्रकाश काला, राकेश माधोराजपुरा, सुरेन्द्र जैन बालोतरा, महावीर जैन (पाली), संजय सर्राफ (कामा), निकिता जैन (जयपुर), बीना जैन, पवन सेठी, बबलू जैन, जिनेन्द्र जैन एवं निर्मला जैन (मुन्नी देवी) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव में उपस्थित श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री वसुनंदी महाराज के पावन सान्निध्य में धर्म रक्षा, संस्कार संवर्धन, सामाजिक एकता एवं जैन पहचान को सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

24 तीर्थ क्षेत्रों पर 1008 पौधों का रोपण, जैन मिलन की 4 शाखाओं का गठन

विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ शाखा गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सागर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के तत्वावधान में 24 तीर्थ क्षेत्रों पर भगवान के 1008 नामों के साथ विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्र क्रमांक 10 की सभी शाखाओं ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का निर्देशन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेंद्र जैन एवं प्रभारी क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलेश जैन दमोह ने किया। इसी क्रम में श्री शांतिनगर दिगंबर जैन मंदिर बण्डा, जैन तीर्थ क्षेत्र गिरारगिरी जी, दयोदय गौशाला शाहगढ़ एवं संत भवन दलपतपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनीष विद्यार्थी, क्षेत्रीय संयोजक प्राचार्य रविंद्र जैन, क्षेत्रीय संयोजक संतोष जैन सेंट्रल बैंक एवं क्षेत्रीय संयोजक प्रदीप जैन गन्नौर अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कार्यक्रम से पूर्व जैन मिलन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मिलन की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। महावीर वंदना एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का सम्मान किया गया। इसके बाद शाखा गठन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर बण्डा शाखा के अध्यक्ष अरविंद जैन महुना, वरायठा युवा मिलन के अध्यक्ष आशीष जैन डिग्गी, शाहगढ़ जैन मिलन के अध्यक्ष योगेश जैन शिक्षक तथा दलपतपुर युवा मिलन के अध्यक्ष सुबोध जैन बनाए गए। क्षेत्रीय संयोजक प्राचार्य रविंद्र जैन ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें छाया और फल देने के साथ ही प्राणवायु भी प्रदान करते हैं। यदि हम आज वृक्ष लगाएंगे तो वे आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करेंगे। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिए। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनीष विद्यार्थी ने कहा कि साधु-संत वृक्षों के नीचे बैठकर तपस्या करते हैं। वृक्षों से हमें औषधियां भी प्राप्त होती हैं तथा इनके कारण हमारा वातावरण शुद्ध एवं पवित्र रहता है। इसलिए वृक्षों की सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। सभी स्थानों पर महिला जैन मिलन एवं जैन मिलन के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन में वीर कडोरीलाल जैन बण्डा, वीरांगना श्रीमती अर्चना जैन वरायठा, देवेंद्र जैन नायक, श्रीमती नेहा जैन, श्रीमती सुरक्षा जैन शाहगढ़, श्रीमती सुधा सांधेलिया, उपेंद्र जैन एवं नितिन जैन दलपतपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राजनीति

'मोबाइल उपयोग बंद दिवस'

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। मानव सभ्यता ने जिस तीव्र गति से विकास किया है, उसमें मोबाइल फोन और इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोबाइल अब केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन, मनोरंजन, समाचार, सामाजिक संपर्क और आपातकालीन सेवाओं का प्रमुख साधन बन चुका है। निस्संदेह यह विज्ञान का अद्भुत वरदान है, लेकिन प्रत्येक आविष्कार तभी तक वरदान रहता है, जब तक उसका उपयोग विवेक, संतुलन और मर्यादा के साथ किया जाए। अति-उपयोग होने पर यही सुविधा परेशानी का कारण बनने लगती है। एक समय मोबाइल आवश्यकता था, लेकिन आज वह जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल देखना और रात को सोने से पहले भी स्क्रीन पर नजर रखना सामान्य आदत बनती जा रही है। भोजन, यात्रा, पारिवारिक बैठकों और सामाजिक आयोजनों तक में लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। धीरे-धीरे सुविधा निर्भरता और निर्भरता लत में परिवर्तित हो रही है। छोटे बच्चे घंटों मोबाइल पर गेम खेलते हैं, युवा सोशल मीडिया में डूबे रहते हैं और अनेक वयस्क बिना आवश्यकता बार-बार मोबाइल देखते हैं। मोबाइल से दूर होने के भय को 'नोमोफोबिया' कहा जाता है। अत्यधिक स्क्रीन समय से आंखों पर दबाव, गर्दन और रीढ़ में दर्द, नींद की गुणवत्ता में गिरावट तथा एकाग्रता में कमी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बच्चों के लिए भी अनियंत्रित स्क्रीन समय चिंता का विषय है। इसलिए डिजिटल उपकरणों के संतुलित उपयोग पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मोबाइल ने दूर बैठे लोगों को जोड़ दिया, लेकिन कई बार एक ही घर में रहने वालों के बीच संवाद कम कर दिया। पहले परिवार भोजन के समय एक-दूसरे से बातें करते थे, जबकि अब कई घरों में लोग अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। प्रत्यक्ष संवाद कम होने से रिश्तों की गर्माहट भी प्रभावित होती है। वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल इससे भी गंभीर खतरा है। कुछ क्षण का ध्यान भटकना बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

संपादकीय

नशे के खिलाफ पीएम की अपील

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से नशे के खिलाफ एक भावनात्मक और सशक्त अपील की। यह केवल एक राजनीतिक संदेश नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक चेतावनी और देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को लेकर चिंता का प्रकटीकरण है। उन्होंने युवाओं से नशे की लत से दूर रहने, परिवारों से सजग रहने और पूरे समाज से इस बुराई के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। यह संदेश ऐसे समय आया है,

जब देश के कई हिस्सों में नशे का बढ़ता प्रचलन गंभीर सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि नशा केवल किसी व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और अंततः समाज को खोखला कर देता है। नशे की लत युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, सपनों और भविष्य को निगल जाती है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। ऐसे में यदि यही शक्ति नशे की गिरफ्त में आती है तो इसका असर केवल संबंधित परिवारों पर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की गति पर भी पड़ेगा। इसलिए नशे से मुक्ति का अभियान किसी एक व्यक्ति, संस्था अथवा सरकार तक सीमित नहीं रह सकता। वर्तमान समय में नशे का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक नशीले पदार्थों के साथ सिंथेटिक ड्रग्स और अन्य नए प्रकार के मादक पदार्थ बड़ी चुनौती बनकर सामने आए हैं। नशे का अवैध कारोबार और उसकी आसान उपलब्धता चिंता को और बढ़ाती है। यह समस्या अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की अपील नीति-निर्माताओं, प्रशासन और समाज के लिए संकेत है कि समस्या का मुकाबला कानून के साथ व्यापक सामाजिक जागरूकता के माध्यम से करना होगा। सरकार द्वारा नशामुक्ति अभियान, पुनर्वास केंद्रों और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद चुनौती की व्यापकता को देखते हुए इन प्रयासों को समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। देश का शीर्ष नेतृत्व जब किसी सामाजिक समस्या के विरुद्ध खुलकर आवाज उठाता है तो स्वाभाविक रूप से उस विषय पर व्यापक चर्चा होती है और लोगों में जागरूकता बढ़ती है। नशे के खिलाफ लड़ाई में केवल दंड और रोकथाम पर्याप्त नहीं हैं। प्रेम, संवाद, शिक्षा, परामर्श और पुनर्वास भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। परिवारों को समझना होगा कि नशे की समस्या को छिपाने या इससे पीड़ित व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय समय रहते उसकी सहायता करना आवश्यक है। स्कूलों और कॉलेजों में भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से परिचित कराने के लिए नियमित जागरूकता और परामर्श कार्यक्रम होने चाहिए। यह लड़ाई केवल सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। इसमें माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठन, शिक्षण संस्थान और स्वयं युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह-संस्थापक और भारत में आधार व्यवस्था के प्रमुख सूत्रधार नंदन नीलेकणी को केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस. सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त समिति का सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में भी परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक समिति बनाई गई थी। 2024 में नीट यूजी विवाद के बाद बनी उस समिति ने 100 से अधिक सिफारिशें की थीं। इनमें कई सिफारिशें स्वीकार भी की गईं, लेकिन दो साल बाद परीक्षा व्यवस्था फिर सवालों के घेरे में है। राधाकृष्णन समिति ने नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगी परीक्षाएं कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए में विषय विशेषज्ञों को शामिल करने की सिफारिश की थी। इसे स्वीकार किया गया, लेकिन यदि इसके बावजूद गड़बड़ियां जारी हैं तो स्पष्ट है कि समस्या केवल विशेषज्ञों की कमी नहीं, बल्कि संरचनात्मक और व्यवस्थागत भी है। नीलेकणी यदि इन समस्याओं की जड़ पहचान कर समाधान सुझाते हैं, तभी नई समिति का वास्तविक अर्थ होगा। उनके सामने बड़ा सवाल अखिल भारतीय परीक्षाओं के मौजूदा स्वरूप का है। क्या एक साथ लाखों विद्यार्थियों की नीट यूजी परीक्षा आयोजित करना उचित है? क्या मेडिकल प्रवेश की पुरानी व्यवस्था बहाल करते हुए राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार दिया जा सकता है? शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए। यदि परीक्षा के विकेंद्रीकरण पर विचार नहीं होता है तो सुधारों का दायरा सीमित रह सकता है। यदि नीट को जारी रखना ही है तो इसे इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने के विकल्प पर विचार किया जा सकता है। पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा और दूसरे चरण में उन्नत स्तर की परीक्षा हो सकती है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा से प्रश्नपत्र लीक की आशंका कम की जा सकती है, हालांकि इसमें अलग-अलग पालियों के प्रश्नपत्रों की कठिनाई के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की चुनौती भी रहती है। नीलेकणी समिति को मेडिकल शिक्षा की फीस पर भी विचार करना चाहिए। सरकारी मेडिकल संस्थानों और निजी कॉलेजों की फीस में भारी अंतर परीक्षा को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाता है। निजी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च सामान्य परिवारों की पहुंच से बाहर होने पर सरकारी संस्थानों की सीटों के लिए दबाव स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इसलिए प्रवेश परीक्षा में सुधार के साथ मेडिकल शिक्षा को किफायती बनाने पर भी विमर्श जरूरी है। समिति को केवल नीट नहीं, पूरी परीक्षा प्रणाली पर विचार करना है और इसकी शुरूआत एनटीए से हो सकती है। एक देश, एक परीक्षा की सोच के साथ एनटीए की भूमिका लगातार बढ़ी है। मेडिकल प्रवेश के अलावा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए सीयूईटी जैसी परीक्षाएं भी इसके माध्यम से आयोजित होती हैं। इतने व्यापक दायित्व के अनुरूप इसकी संस्थागत क्षमता और जवाबदेही मजबूत करना आवश्यक है। यदि एनटीए को समाप्त कर विकेंद्रीकृत व्यवस्था बहाल करना संभव नहीं है तो कम से कम इसमें व्यापक सुधार किए जाने चाहिए। एनटीए को वैधानिक दर्जा देने, उसका अपना स्थायी कैडर बनाने और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर विचार होना चाहिए। ठेके पर नियुक्तियों और परीक्षा संबंधी संवेदनशील कार्यों की आउटसोर्सिंग न्यूनतम की जानी चाहिए।

पेट भरता है भिखारी और भंडार भरता है साधु : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

मंगल कलशों की स्थापना अगले रविवार तक कर सकते हैं भक्त : नवीन गोधा

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के व्यक्तित्व पर आधारित परीक्षा 9 अगस्त को : विजय धुर्रा

इन्दौर. शाबाश इंडिया

पेट भरता है भिखारी और भंडार भरता है साधु। साधु आपके घर आहार करने नहीं जाता, बल्कि आप अपनी नवधा भक्ति से साधु को आहार के लिए अपने घर ले जाते हैं। श्रावक साधु को आहार कराकर नाच रहा है। पेट साधु का भर रहा है और हर्षित श्रावक हो रहा है। उक्त आशय के उद्गार दलाल बाग में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि साधु के चरण पकड़ते ही श्रावक स्वयं को धन्य समझने लगता है। साधु के नगर में आने के बाद आपका चौका पवित्र हो जाता है। इसे कम से कम शाम तक तो पवित्र ही रखना चाहिए और हो सके तो चार महीने के चातुर्मास में ऐसा कर लिया तो आपके भंडार भरने में देर नहीं लगेगी। जिसके घर में 10 लोग हैं और उसके यहां 11 लोगों का भोजन बनता है, उसी का नाम जैनी है।

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के जीवन पर आधारित होगी परीक्षा

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के विराट व्यक्तित्व पर आधारित एक प्रतियोगिता पूज्य वर्णी गंभीर सागरजी महाराज के निर्देशन में आयोजित की जा रही है। इसकी पुस्तक मुख्य पंडाल एवं मानस्तंभ परिसर, छत्रपति नगर में उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा रविवार, 9 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के साथ सात सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों का वितरण सम्मान समारोह आयोजित कर किया जाएगा। प्रतियोगिता को दो वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रथम वर्ग में 5 से 15 वर्ष तथा दूसरे वर्ग में 15 से 80 वर्ष तक के श्रावक-श्राविकाएं भाग ले सकेंगे। इससे पूर्व परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज की महिला मंडल एवं युवा मंडल द्वारा संगीत के साथ भव्य पूजन की गई। आचार्य श्री के चित्र के समक्ष आनंद-नवीन गोधा, सपना-मनीष गोधा, अशोक-रानी दोशी, आकाश कोयला, हर्ष जैन, धर्मेन्द्र जैन सहित अन्य प्रमुखजनों ने दीप प्रज्वलन किया।

दीपावली पर मंगल कलश घर ले जाकर पूजन का मिलेगा सौभाग्य

इस दौरान धर्म प्रभावना समिति के नवीन गोधा ने कहा कि इन्दौर शहरवासियों को पहली बार एक महासंत के सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। जो श्रद्धालु मंगल कलशों की स्थापना करना चाहते हैं और किसी कारणवश यहां उपस्थित नहीं हो सके हैं, वे भी अगले सप्ताह तक अपने परिवार के साथ पहुंचकर मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये मंगल कलश जिनालय में विराजमान रहेंगे और चार माह बाद दीपावली के शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं को इन्हें अपने घर ले जाकर स्थापित करने एवं दीपावली पूजन में सम्मिलित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस दौरान कलश स्थापना करने वाले श्रद्धालुओं का समिति की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

तत्काल परिणाम की अपेक्षा से बढ़ रहा असंतोष

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि मन इतना कमजोर हो गया है कि यदि किसी क्रिया का तत्काल लाभ दिखाई नहीं देता तो व्यक्ति उस क्रिया को छोड़ देता है। हर आदमी को तत्काल परिणाम चाहिए। परिणाम नहीं मिलने पर वह जो काम कर रहा होता है, उसे उसी समय छोड़ देता है। उन्होंने कहा कि आज व्यक्ति पर भौतिकता इस कदर हावी हो गई है

कि उसके जीवन से संतोष नाम की चीज ही गायब होती जा रही है। छोटी-छोटी चीजों और बातों के कारण व्यक्ति के जीवन में असंतोष व्याप्त हो जाता है। इसी असंतोष को दूर कर अपने जीवन को अच्छा बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना होगा।

भक्तों के कल्याण के लिए की जाती है भगवान की पूजा

मुनिश्री ने कहा कि सारी दुनिया में भगवान के लिए पूजा की जाती है, लेकिन जैन दर्शन कहता है कि भगवान के लिए पूजा नहीं होती, सब कुछ भक्तों के लिए होता है। जैन दर्शन में जो पूजा है, उसमें भगवान के लिए अभिषेक नहीं होता। भगवान को अभिषेक की कोई आवश्यकता नहीं है। यह सब भक्तों के कल्याण के लिए ही होता है। उन्होंने कहा कि आप मंदिरों में पूजा करने यह सोचकर न जाएं कि भगवान को आपकी पूजा की जरूरत है। भगवान को आपकी बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। आज के बाद देव, शास्त्र और गुरु के लिए कुछ नहीं करूंगा, जो कुछ भी करूंगा अपने लिए करूंगा। भगवान के लिए विहार नहीं करना है। मैं अपने पापों का क्षय कर रहा हूं और अपने कर्मों का नाश करने के लिए जो कुछ भी कर रहा हूं, वह कम है। मुनिश्री ने कहा कि प्रत्येक धार्मिक क्रिया का अलग-अलग फल होता है। आप गाड़ी से चलते हैं, लेकिन प्रभु के दरवाजे तक पैदल जाने का पुण्य अलग होता है। नंगे पैर यात्रा करने का पुण्य अलग है, साधु के साथ पदविहार करने का पुण्य अलग है और तीर्थयात्रा का पुण्य भी अलग होता है।

वर्ष में कम से कम एक बार गोमटगिरि तीर्थ की पैदल यात्रा करें

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि आप हमेशा गाड़ियों में सफर करते रहते हैं। घर के बाहर सुरक्षा के लिए भी पुण्य चाहिए। प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग तरह के पुण्य की व्याख्या की गई है। इसलिए कम से कम वर्ष में एक बार अपने सबसे निकटवर्ती तीर्थ गोमटगिरि की पदयात्रा अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले हमारे यहां बड़ी-बड़ी पैदल तीर्थयात्राएं होती थीं। हजारों लोग एक साथ यात्रा करते थे और सेठ-साहूकार इन यात्राओं का आयोजन कराते थे। आज व्यक्ति मंदिर तक भी पैदल नहीं जाना चाहता। मंदिर बहुत दूर हो तो कम से कम जहां से मंदिर का शिखर दिखाई देने लगे, वहां से पैदल चलकर आना चाहिए। आज लोग मंदिर के दरवाजे तक गाड़ी से पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आज आप शिखरजी और गिरनारजी की पदयात्रा नहीं कर सकते तो अपने सबसे निकट स्थित तीर्थ क्षेत्र की वंदना अवश्य करें। इन्दौरवासियों को गोमटगिरि जैसा सुंदर तीर्थ क्षेत्र मिला है। इसलिए कम से कम वर्ष में एक बार गोमटगिरि तीर्थ क्षेत्र की पदयात्रा अवश्य करनी चाहिए।

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान की मोजमाबाद महिला इकाई का गठन

25 महिलाओं ने ग्रहण की सदस्यता, नेहा बोहरा अध्यक्ष और सुमन बोहरा मंत्री नियुक्त

मोजमाबाद. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान के तत्वावधान में मोजमाबाद में नई महिला इकाई का उत्साहपूर्वक गठन किया गया। इस अवसर पर लगभग 25 महिलाओं ने सदस्यता ग्रहण कर संगठन को सशक्त बनाने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। नवगठित कार्यकारिणी में श्रीमती नेहा बोहरा को अध्यक्ष, श्रीमती सुमन बोहरा को मंत्री, श्रीमती मधु चौधरी को उपाध्यक्ष, श्रीमती नेहा मोदी को सह सचिव, श्रीमती बबली बोहरा को धार्मिक मंत्री तथा श्रीमती मंजू मोदी को सांस्कृतिक मंत्री नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती नेहा चौधरी, निशु चौधरी, गरिमा चौधरी, अनु चौधरी, उषा छाबड़ा, मेघा जैन, रितु जैन, अनीता जैन, रेखा बोहरा, सीमा बोहरा एवं मुन्नी सोगानी सहित अन्य सदस्यों को संगठन की विभिन्न जिम्मेदारियां प्रदान की गईं। नई इकाई का गठन बगरू इकाई की अध्यक्ष श्रीमती ईना पाटनी के अथक प्रयासों तथा महिला अंचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका की प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महिला अंचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका के साथ कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन, धार्मिक मंत्री श्रीमती अनीता जैन, श्रीमती मधु पांड्या, श्रीमती सुलोचना जैन, श्रीमती अर्चना जैन, श्रीमती शीला जैन, श्रीमती पूनम, श्रीमती रजनी, श्रीमती अनिता ठोली, श्रीमती छाया ठोली, श्रीमती अचला जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के विस्तार और समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का आह्वान किया। साथ ही सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएं दी गईं।

प्राणी मात्र को धन की नहीं, धर्म की आवश्यकता है: आचार्यश्री उदारसागर महाराज

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्यश्री 108 उदारसागर महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग धन को ही जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य मान बैठे हैं। धन कमाने की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने नैतिक मूल्यों, आत्मकल्याण और धर्म से दूर होता जा रहा है। जबकि धन नश्वर, चंचल और परिवर्तनशील है। वह आज है तो कल नहीं भी हो सकता, लेकिन धर्म ऐसा अमूल्य धन है जो इस जन्म के साथ-साथ अनंत जन्मों तक जीव का कल्याण करता है। हे भव्य आत्माओं! धन जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन हो सकता है, लेकिन जीवन का उद्देश्य कभी नहीं बन सकता। धर्म ही मनुष्य के जीवन को दिशा, शांति, संयम और आत्मिक सुख प्रदान करता है। धर्म के प्रभाव से जीव के संचित पाप कर्मों का क्षय होता है, पुण्य का अर्जन होता है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। धर्म केवल वर्तमान जीवन को ही नहीं, बल्कि परभव को भी उज्ज्वल और मंगलमय बनाता है। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रति हमारी श्रद्धा, भक्ति और विश्वास अटूट होना चाहिए। परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए। धर्म की साधना दिखावे, आडंबर या स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि निर्मल भाव, पूर्ण आस्था और निष्कपट मन से करनी चाहिए। जिस धर्म में छल, कपट, धोखाधड़ी या अहंकार का प्रवेश हो जाता है, उसका वास्तविक स्वरूप समाप्त हो जाता है। इसलिए धर्म का पालन पूर्ण ईमानदारी और आत्मशुद्धि के भाव से करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धन के साथ-साथ धर्म को भी अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें। धन केवल सांसारिक सुविधाएँ दे सकता है, लेकिन धर्म आत्मिक शांति, सच्चा आनंद और शाश्वत सुख प्रदान करता है।

कलिजरा में आध्यात्मिक चातुर्मास ने रचा इतिहास

भव्य कलश स्थापना के साथ गूंजा धर्म जयघोष, मन में धर्म के भाव जागृत होना ही सच्चे धर्म की पहचान : आर्यिका सिद्ध श्री

सुरेश चंद्र गांधी, नौगांव, जिला बांसवाड़ा

कलिजरा। वागड़ की धर्मधरा कलिजरा में पहली बार आर्यिका संघ के ऐतिहासिक चातुर्मास का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश स्थापना के साथ हुआ। जैसे ही विधि-विधान से कलश स्थापना संपन्न हुई, पूरा पांडाल 'जय जिनेन्द्र' और धर्म के जयघोष से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक आयोजन के साथ कलिजरा ने अपने आध्यात्मिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाहुबली परिसर में ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण का सौभाग्य धनपाल पचोरी (नौगामा) को प्राप्त हुआ। इसके बाद आचार्य श्री 108 विभव सागरजी महाराज की परम प्रभावक शिष्या जिनवाणी पुत्री आर्यिका सिद्ध श्री, आर्यिका संघ श्री एवं आर्यिका सभा श्री के 10वें पावन वर्षायोग (चातुर्मास) का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, पूर्व जिलाध्यक्ष चांदमल जैन, प्रधान सुभाषजी तथा अब्दुल गफ्फार ने किया। मंगलाचरण ईशानवी एवं फैनी ने प्रस्तुत किया। कलश स्थापना से पूर्व बालिका मंडल, महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल ने आकर्षक धार्मिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। नौगामा, बागीदौरा, बड़ोदिया, परतापुर, घाटोल, तलवाड़ा, अरथूना, बांसवाड़ा, सज्जनगढ़, कुशलगढ़, सागवाड़ा सहित मध्यप्रदेश के इंदौर एवं दक्षिण क्षेत्र से आए श्रद्धालुओं ने आर्यिका संघ के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समाज अध्यक्ष रतनपाल दोसी ने बताया कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चातुर्मास कलश स्थापना के साक्षी बनने पहुंचे। बाहर से आए सभी अतिथियों का सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से आत्मीय स्वागत-सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन भैयाजी एवं संजीव धनावत ने किया।

मन में धर्म के भाव जागृत होना ही सच्चा धर्म : आर्यिका सिद्ध श्री

आर्यिका रत्न सिद्ध श्री ने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि ''मन में धर्म के भाव जागृत होना ही सच्चे धर्म की पहचान है।'' उन्होंने कहा कि चातुर्मास का उद्देश्य धन अर्जित करना नहीं, बल्कि धर्म का अर्जन करना है। कलश केवल एक पात्र नहीं, बल्कि मंगल, पवित्रता और आत्मजागरण का प्रतीक है। जिस प्रकार कलश मंगल और पवित्रता का संदेश देता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन को सदाचार, संयम और धर्म के प्रकाश से आलोकित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कलश स्थापना के माध्यम से श्रद्धालुओं ने साधु-संघ को अपने बीच विराजमान होने का आग्रह किया है। प्रत्येक घर कलशमय बने, प्रत्येक परिवार धर्ममय बने और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में आत्मकल्याण की भावना जागृत हो, यही चातुर्मास का वास्तविक उद्देश्य है। आर्यिका सिद्ध श्री ने कलिजरा के नवयुवकों की सेवा, अनुशासन और उत्साह की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वागड़ की धर्मधरा पर आयोजित यह चातुर्मास पूरे भारत में एक ऐतिहासिक उदाहरण बनेगा।

प्रत्येक घर में कलश का विशेष धार्मिक महत्व: आर्यिका सभा श्री

आर्यिका सभा श्री ने कहा कि प्रत्येक घर में कलश का विशेष धार्मिक महत्व है। कलश समृद्धि, मंगल और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। जिस परिवार में धर्म, संस्कार और श्रद्धा का कलश स्थापित होता है, वहां सदैव सुख-समृद्धि एवं शांति का वास रहता है।

इन परिवारों को मिला कलश स्थापना का सौभाग्य

प्रथम कलश की स्थापना का सौभाग्य गांधी बदामीलाल कुशलजी परिवार, द्वितीय कलश का गांधी पंकज कुमार केसरीमल परिवार, तृतीय कलश का दोसी नगीनलाल किशनलाल परिवार, चतुर्थ कलश का रतनपाल मोतीलाल दोसी परिवार तथा पंचम कलश की स्थापना का सौभाग्य सुशील रतनपाल घोड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं, महिलाओं एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन में धर्म, संस्कृति और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

स्वरों ने छेड़े मन के तार, संगीत की लय पर झूम उठी शाम

स्वरिदम म्यूजिक अकादमी के प्रथम कराओके समारोह में नवोदित गायकों ने बिखेरी सुरों की सुगंध

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगीत की मधुर लहरियां जब शाम की निस्तब्धता को चीरते हुए वातावरण में घुलीं तो हर चेहरा खिल उठा और हर मन सुरों के साथ बहने लगा। स्वरिदम म्यूजिक अकादमी के प्रथम कराओके सिंगिंग समारोह में नवोदित गायकों ने अपनी आवाज की मिठास, भावों की गहराई और प्रस्तुति के आत्मविश्वास से ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर तक तालियों से उनका अभिनंदन करते रहे। समारोह में अकादमी के करीब 20 विद्यार्थियों ने बॉलीवुड गीतों, भजनों और शास्त्रीय धुनों की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। कहीं गीतों में प्रेम और उल्लास की झलक दिखाई दी तो कहीं भक्ति की निर्मल धारा बही। शास्त्रीय स्वरों की गंभीरता ने वातावरण को गरिमा प्रदान की। पहली बार मंच पर उतरे कई प्रतिभागियों ने भी जिस सहजता और आत्मविश्वास के साथ गायन किया, उसने उपस्थित संगीतप्रेमियों को खासा प्रभावित किया। अकादमी के इस प्रथम आयोजन को यादगार बनाने के लिए व्यवसायी दिनेश वेलावत ने केक काटकर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संगीत शिक्षक एवं निदेशक धीरज शर्मा और किशन नाथ चौहान ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शुभचिंतकों को संबोधित किया। समारोह में दिनेश जैन, अरविंद सिंह थापा, सावन जैन, बसंत यादव, राजेश अमेरिया, दीपक व्यास, गजेंद्र सोनी, मुकेश खुबचंदानी, सौरव नामा, डी.सी. कुमावत, डॉ. दीपा मिश्रा और नारायणी रावल ने अपने सुरों से प्रभाव छोड़ा। वहीं बाल कलाकार यशी चौहान और नेहल शर्मा ने अपनी मासूम, मधुर एवं आत्मीय प्रस्तुतियों से समारोह में विशेष रंग भर दिया। निदेशक धीरज शर्मा ने कहा कि संगीत केवल स्वरों का विन्यास नहीं, बल्कि अंतर्मन को अनुशासित करने और व्यक्तित्व को संवेदनशील बनाने वाली साधना है। विद्यार्थियों को मंच का अनुभव देना, उनकी झिझक दूर करना और उनमें आत्मविश्वास जगाना इस समारोह का प्रमुख उद्देश्य रहा। किशन नाथ चौहान ने बताया कि अकादमी में गिटार, कीबोर्ड, हारमोनियम, ड्रम, कांगो, तबला और ढोलक सहित विभिन्न वाद्ययंत्रों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही बॉलीवुड, शास्त्रीय, कराओके, भजन एवं कीर्तन गायन की शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसी संगीतमय संध्याओं के माध्यम से उदयपुर की प्रतिभाओं को मंच और पहचान प्रदान कर उन्हें नई उड़ान देने का प्रयास जारी रहेगा।

रिपोर्ट/फोटो : सावन दोसी

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ का 24वां मंगल कलश स्थापना महोत्सव आयोजित

शाबाश इंडिया / आयुष पाटनी

चौमूं। परम पूज्य आचार्य श्री विमल सागरजी महाराज के पट्टशिष्य आचार्य श्री भरत सागरजी महाराज की परम प्रभाविका शिष्या, बाल योगिनी, सरल स्वभावी, मोक्षमार्ग प्रकाशक, प्रशांत निधि आर्यिका रत्न श्री 105 नंदीश्वरमति माताजी ससंघ चौमू में विराजमान हैं। वर्ष 2026 के वर्षायोग चातुर्मास के लिए फूलों की नगरी चौमू को माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि प्रातःकालीन अभिषेक, शांतिधारा एवं आहारचर्या के बाद ध्वजारोहण किया गया। बोराज निवासी पंकज लुहाड़िया को ध्वजारोहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद मंगल कलश स्थापना के लिए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में डीजे, घोड़े, ऊंट, बग्गी और रथ सहित भारी लवाजमा शामिल रहा। शोभायात्रा चौमू के चौपड़, सदर बाजार, त्रिपोलिया बाजार, लक्ष्मीनाथ चौक, बस स्टैंड एवं मोरीजा रोड सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रेम पैलेस गार्डन पहुंची। यहां माताजी के रैंप पर श्रावक-श्राविकाओं ने 41 थालियों में पाद प्रक्षालन किया। मंगल कलश स्थापना महोत्सव को लेकर समाजजनों में भारी उत्साह नजर आया।

मानव को निरंतर कर्म करते रहना चाहिए: आर्यिका नंदीश्वरमति

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य के जीवन में नसीब, खुशनसीब और बदनसीब के तीन चक्र चलते हैं। पहला नसीब है, जो बिना मांगे ही मिल जाता है। दूसरा खुशनसीब है, जिसमें पूर्वजों से संपत्ति प्राप्त होती है और तीसरा बदनसीब है, जिसमें सब कुछ होते हुए भी व्यक्ति दान-पुण्य नहीं कर पाता। इसलिए मनुष्य को निरंतर अपना कर्म करते रहना चाहिए। इसी दौरान बोली के माध्यम से मंगल कलश, चंद्रप्रभु, शांतिनाथ, पारसनाथ सहित अन्य आठ कलशों की स्थापना का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

शिव मंदिर में सहस्त्रघट अभिषेक, महाआरती के बाद कन्या भोज का आयोजन

भैंसलाना. अर्पित जैन

कस्बे के निकटवर्ती भूखरों की ढाणी स्थित शिव मंदिर में सहस्त्रघट अभिषेक का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान गोपाललाल रणवा ने सपत्नीक पंडित कन्हैयालाल शर्मा के सान्निध्य में विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। इस दौरान गन्ने के रस, दुग्ध, केवड़ा एवं गुलाब जल मिश्रित जल से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। इसके बाद महाआरती एवं कन्या भोज का आयोजन हुआ। मंदिर के पुजारी सत्यनारायण योगी ने बताया कि इस अवसर पर भैरवनाथ का अभिषेक भी विधि-विधान से कराया गया।

अवसर रहते आत्मपुरुषार्थ से चूकना ही जीवन का सबसे बड़ा पश्चाताप : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

आनन्द सिद्धितप आराधना में 160 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने लिया तप का संकल्प, कल से करेंगे आराधना प्रारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जीवन में सबसे बड़ी भूल अवसर का अभाव नहीं, बल्कि अवसर रहते उसकी पहचान न कर पाना है। अनुकूल परिस्थितियां, सामर्थ्य और साधना का अवसर मिलने के बाद भी यदि व्यक्ति आत्मकल्याण की दिशा में पुरुषार्थ नहीं करता तो समय बीतने के साथ उपलब्धि नहीं, केवल पश्चाताप शेष रह जाता है। जो समय रहते जाग जाता है, वही अवसर को साधना में बदल पाता है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शांतिभवन में चातुमार्सार्थ आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

युवाचार्यश्री ने प्राचीन कथा का प्रसंग रखते बताया कि एक निर्धन ब्राह्मण को चक्रवर्ती से जीवनभर के भोजन की व्यवस्था का अवसर मिला, लेकिन चक्रवर्ती के यहां मिले श्रेष्ठ भोजन के बाद वह प्रतिदिन बदलते स्थानों पर मिलने वाले भोजन में उस सुख को तलाशता रहा। जब उसे अपनी भूल का बोध हुआ, तब तक वह अवसर हाथ से निकल चुका था। कथा के माध्यम से उन्होंने संकेत किया कि जीवन में प्राप्त अनुकूलता का मूल्य समय रहते समझना आवश्यक है; बीत चुके अवसर पर किया गया पश्चाताप उसकी भरपाई नहीं कर सकता। आगमिक संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि देवता भी तीन कारणों से परिताप करते हैं अनुकूलता और सामर्थ्य उपलब्ध होने पर भी श्रुत का पर्याप्त अध्ययन नहीं कर सके, संयम-साधना के पर्याय को अपेक्षित गंभीरता से नहीं जी सके और विषयों की आसक्ति में आत्म कल्याण का अमूल्य समय गंवा दिया। भौतिक सुखों की कोई कमी न होने पर भी यह परिताप इस सत्य को रेखांकित करता है कि आत्मा की वास्तविक उन्नति बाहरी ऐश्वर्य से नहीं, बल्कि जागृत पुरुषार्थ से होती है। उन्होंने कहा कि देवताओं का आहार अत्यंत अल्प और

विशुद्ध होता है; उन्हें मनुष्य लोक की तरह भूख, बीमारी, बुढ़ापा और दरिद्रता जैसी प्रमुख पीड़ाओं का सामना नहीं करना पड़ता। फिर भी वे अपने छूटे हुए आत्मिक अवसरों के लिए पश्चाताप करते हैं। इसका कारण यह है कि अनुकूलता और सामर्थ्य रहते हुए भी उन्होंने श्रुत-आराधना तथा साधना में वह पुरुषार्थ नहीं किया, जिससे कर्मनिर्जरा और आत्मिक विकास संभव था। युवाचार्यश्री ने स्पष्ट किया कि श्रुत का उद्देश्य केवल विद्वत्ता अर्जित करना या ज्ञान का प्रदर्शन करना नहीं है। वास्तविक श्रुत वह है, जो परमात्मा के वचनों को समझने की दृष्टि दे, श्रद्धा को दृढ़ करे और राग-द्वेष को क्षीण करने की प्रेरणा बने। परमात्मा के वचनों का स्वाध्याय आत्मा में जागृति उत्पन्न करता है और कर्मनिर्जरा का माध्यम बनता है। यदि श्रुत-अध्ययन जीवन में दृष्टि और आचरण का परिवर्तन न ला सके तो उसकी सार्थकता अधूरी रह जाती है। उन्होंने कहा कि आत्मा की यात्रा किसी एक जन्म तक सीमित नहीं है। सिद्धगति प्राप्त होने तक वह संसार-पर्याय में विचरण करती रहती है।

अदाणी फाउंडेशन ने नवोदय विद्यालय में लगाया नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 123 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया। अदाणी फाउंडेशन अपनी सीएसआर पहल के तहत स्थानीय लोगों तक बेहतर और सहज स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से चिकित्सा इकाई का संचालन कर रहा है। यह इकाई ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी पहल के तहत अटरू उपखंड मुख्यालय स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। हाल के दिनों में मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण विद्यार्थियों में सर्दी-जुकाम, बुखार, त्वचा रोग एवं अन्य मौसमी संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए विद्यालय में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में चिकित्सा दल ने विद्यार्थियों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया। शिविर में कुल 123 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 74 बालक और 49 बालिकाएं शामिल थीं। जांच के दौरान सर्दी-जुकाम, बुखार, एलर्जी, त्वचा रोग, सिरदर्द, पाचन संबंधी समस्याओं एवं अन्य मौसमी बीमारियों की पहचान कर उपचार किया गया। आवश्यकता के अनुसार विद्यार्थियों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सुरक्षा, मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। अदाणी फाउंडेशन का उद्देश्य केवल उपचार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समुदाय एवं विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना भी है। इसी सोच के साथ फाउंडेशन लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें और उनमें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े।

वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव में पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

आचार्य श्री समयसागर महाराज ससंघ को राजकीय अतिथि घोषित किया, भोपाल में चातुर्मास का किया निवेदन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

भोपाल। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य महाश्रमण आचार्य श्री समयसागर महाराज के वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री के चरणों का पाद प्रक्षालन कर श्रीफल भेंट किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में आचार्य श्री समयसागर महाराज से राजधानी भोपाल में चातुर्मास करने का निवेदन किया। इस अवसर पर नवाचार्य आचार्य श्री समयसागर महाराज ने कहा कि संसारी प्राणी प्रभु और गुरु के चरणों में आकर प्रार्थना करते हैं। वर्ष 2016 में आचार्य विद्यासागर गुरुदेव का चातुर्मास हुआ था, उस समय भी यही दृश्य था और आज वर्ष 2026 में फिर वही नजारा दिखाई दे रहा है। आचार्य श्री ने कहा कि विद्यासागर गुरुदेव की परिकल्पनाओं के अनुरूप पाषाण का जो मंदिर बन रहा है, उसका निर्माण गुरुदेव की प्रेरणा और आशीर्वाद से समाज द्वारा कराया जा रहा है। समाज ने इसे पूर्ण करने का दायित्व स्वीकार किया है। इस निर्माण कार्य को देखने का अवसर हम लोगों को भी प्राप्त हुआ है।

अहिंसा केवल जैनों की नहीं, पूरे विश्व का धर्म

आचार्य श्री समयसागर महाराज ने कहा कि अहिंसा धर्म केवल जैनों का नहीं, बल्कि पूरे विश्व का धर्म है। जिसके मन में करुणा का भाव आता है, वह अहिंसा का पुजारी है। उन्होंने भाग्योदय तीर्थ सागर का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां चिकित्सा के माध्यम से समाज के लोग जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। इसी प्रकार जबलपुर में पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय, प्रतिभास्थली विद्यालय और हथकरघा सहित विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से सर्वसमाज के हित में कार्य किए जा रहे हैं। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग सहित इंदौर, उज्जैन, सागर, नागपुर, ललितपुर, विदिशा, इटारसी एवं अन्य शहरों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त शामिल हुए। सागर से भी सैकड़ों श्रद्धालु कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम का निर्देशन ब्रह्मचारी विनय भैया बंडा ने किया। इस अवसर पर आचार्य श्री समयसागर महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा रचित महाकाव्य 'मूकमाटी' भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य श्री समयसागर महाराज ससंघ को मध्यप्रदेश का राजकीय अतिथि घोषित किया।

सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गुन्सी में मंगल कलश स्थापना समारोह में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

आर्यिका विज्ञा श्री माताजी का 52वां अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

निवाई-गुन्सी. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज भारत के तत्वावधान में सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गुन्सी में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण से हुआ। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में मुख्य ध्वजारोहण का सौभाग्य रविन्द्र जैन छाबड़ा सवाई माधोपुर, नरेंद्र कुमार-सुलोचना भाणजा, महावीर प्रसाद-विक्रम कुमार पराणा एवं विज्ञा श्री परिवार को प्राप्त हुआ। मंडप उद्घाटन का सौभाग्य राजकुमार जैन कासलीवाल मालपुरा, चित्र अनावरण का राजेन्द्र कुमार दोशी टोडारायसिंह तथा दीप प्रज्वलन का सौभाग्य राजकुमार जैन किशनगढ़ को मिला। आर्यिका श्री विज्ञा श्री माताजी के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य बसन्त जैन सुसनेर तथा

शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य नरेंद्र जैन मालपुरा को प्राप्त हुआ। माताजी को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य अर्चना जैन हरिद्वार को मिला। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला, प्रतीक सेठी एवं सुनील भाणजा ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि चौधरी ने भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के समक्ष श्रीफल अर्पित कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लेकर देश में खुशहाली, सुख एवं समृद्धि की कामना की। प्रवक्ता ने बताया कि चातुर्मास के प्रथम मंगल कलश का सौभाग्य अजय कुमार-अनिता जैन जयपुर को प्राप्त हुआ। द्वितीय कलश का सौभाग्य गुप्त सज्जन, तृतीय कलश का श्रीमती सुशीला देवी-कमल कुमार जैन पहाड़ियां झिलाय, चतुर्थ कलश का गाजियाबाद के श्रद्धालु परिवार, पांचवें कलश का गिरीश कुमार-जयकुमार जैन मांग्यावास, छठे कलश का पदमचंद-रत्नादेवी बनेठा तथा सातवें कलश का सौभाग्य नरेंद्र कुमार, दिलीप कुमार एवं अनिल कुमार जैन भाणजा को प्राप्त हुआ। समारोह में सत्येन्द्र एंड पार्टी ने मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से नृत्य किया। विजय गंगवाल एवं प्रतीक सेठी ने बताया कि विज्ञा तीर्थ गुन्सी में आयोजित समारोह की शुरूआत महिला मंडल की महिलाओं द्वारा मंगलाचरण के साथ की गई। महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और सामूहिक नृत्य से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के वर्षायोग का मंगल कलश स्थापना के साथ शुभारंभ

विशाल शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु, 41 थालियों से किया पाद प्रक्षालन

चौमूं. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री विमल सागरजी महाराज के पट्टशिष्य आचार्य श्री भरत सागरजी महाराज की परम प्रभाविका शिष्या, बाल योगिनी, सरल स्वभावी, मोक्षमार्ग प्रकाशक, प्रशांत निधि आर्यिका रत्न श्री 105 नंदीश्वरमति माताजी ससंघ चौमू में विराजमान हैं। वर्ष 2026 के वर्षायोग चातुर्मास के लिए फूलों की नगरी चौमू को माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि प्रातःकालीन अभिषेक, शांतिधारा एवं आहारचर्या के बाद वर्षायोग की शुरूआत ध्वजारोहण से हुई। बोराज निवासी पंकज लुहाड़िया को ध्वजारोहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद मंगल कलश स्थापना के लिए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। डीजे, घोड़े, ऊंट, बग्गी और रथ सहित भारी लवाजमे के साथ शोभायात्रा चौमू के चौपड़, सदर बाजार, त्रिपोलिया बाजार, लक्ष्मीनाथ चौक, बस स्टैंड एवं मोरीजा रोड सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रेम पैलेस गार्डन पहुंची। यहां माताजी का श्रावक-श्राविकाओं ने 41 थालियों से पाद प्रक्षालन किया। मंगल कलश स्थापना महोत्सव को लेकर समाजजनों में भारी उत्साह नजर आया। वर्षायोग चातुर्मास के दौरान श्रद्धालुओं को चार माह तक माताजी ससंघ का मंगल सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाजजनों को धर्ममार्ग पर चलने की प्रेरणा देने के साथ नई पीढ़ी को धर्म एवं संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य के जीवन में नसीब, खुशनसीब और बदनसीब के तीन चक्र चलते हैं। पहला नसीब है, जो बिना मांगे ही मिल जाता है। दूसरा खुशनसीब है, जिसमें पूर्वजों से संपत्ति प्राप्त होती है। तीसरा बदनसीब है, जिसमें सब कुछ होते हुए भी व्यक्ति दान-पुण्य नहीं कर पाता। इसलिए मनुष्य को निरंतर अपना कर्म करते रहना चाहिए। इस दौरान बोली के माध्यम से मंगल कलश, चंद्रप्रभु, शांतिनाथ, पारसनाथ सहित अन्य आठ कलशों की स्थापना का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट, देव-शास्त्र-गुरु पूजन एवं अष्टद्रव्य पूजन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

जैन इंजीनियर्स सोसाइटी व अमृता पाठशाला ने किया वृक्षारोपण

नन्हे-मुन्नों से लेकर बुजुर्गों तक ने रोपे 108 पौधे

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। देश के प्रतिष्ठित अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद के प्रांगण में जैन इंजीनियर्स सोसाइटी फरीदाबाद एवं अमृता पाठशाला की टीम ने संयुक्त रूप से वर्षा की फुहारों के बीच 108 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रेरक अभियान में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। अमृता पाठशाला में इंजी. एस.के. जैन, एनटीपीसी एवं मौसम विभाग के पूर्व निदेशक एस.सी. जैन ने बच्चों को नई ड्रेस, स्कूल बैग एवं पुस्तकें भेंट कीं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा एवं श्रीमती मंजू सल्होत्रा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इंजी. अम्बर जैन, श्रीमती रिया जैन एवं श्रीमती पूजा राठौर ने बच्चों को फल भेंट किए और सुंदर कविताएं सुनाईं। श्री सुरेंद्र जैन एवं श्रीमती रेखा जैन ने बच्चों के साथ मेडिकल कॉलेज के निकट पौधरोपण किया। वहीं सीनियर गर्ल्स हॉस्टल के पास इंजी. अरुण जैन, श्रीमती पूनम एवं श्रीमती रोशनी ने अमृता पाठशाला के बच्चों के साथ पौधे लगाए। अमृता हॉस्पिटल की बागवानी एवं उद्यान टीम ने रोपे गए सभी 108 पौधों की देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया। अमृता हॉस्पिटल के प्रशासनिक निदेशक स्वामी निजामृतानंद पुरीजी ने इस पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर अमृता पाठशाला के 30 से अधिक नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी उत्साह के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस प्रेरक अभियान में अपनी भागीदारी निभाई।

जिनवाणी सुनने का सौभाग्य ही महान पुण्य का उदय: आचार्य श्री विमर्शसागरजी महाराज

जिनवाणी को जीवन में उतारना और नियमित स्वाध्याय करना ही वास्तविक धर्म साधना

देहरा तिजारा (अलवर). शाबाश इंडिया

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में चल रहे 31वें पावन चातुर्मास के अंतर्गत सोमवार को चंद्र तीर्थ मंडपम् में परम पूज्य भावलिंगी संत, राष्ट्रयोगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागरजी महाराज ससंघ ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए जिनवाणी की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। प्रवचन का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रचार मंत्री उमंग जैन ने बताया कि आचार्य श्री ने प्रवचन में कहा कि जिसने जिनेंद्र भगवान की दिव्य वाणी को सुना, जिनागम का अध्ययन किया और जिनवाणी पर दृढ़ श्रद्धा रखी, वही इस धरती पर सबसे बड़ा पुण्यात्मा है। तीर्थंकर भगवान की वाणी अनादि-अनंत सत्य का स्वरूप है, जो प्रत्येक जीव को आत्मकल्याण एवं मोक्षमार्ग का

सच्चा पथ दिखाती है। आचार्य श्री ने देशना-लब्धि का महत्व बताते हुए कहा कि जब कोई जीव जिनेंद्र भगवान की वाणी को श्रद्धापूर्वक सुनता, समझता और उसके संदेश पर मनन करता है, तब उसके भीतर आत्मजागरण का शुभारंभ होता है। जब जीव के मन में यह भाव जागृत होता है कि ''भगवान की वाणी में ही मेरे कल्याण का सन्मार्ग है, जिसे मैं अब तक नहीं जान पाया था'', तभी से उसके सातिशय पुण्य का उदय प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने कहा कि केवल प्रवचन सुन लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिनवाणी को जीवन में उतारना, जिनागम का नियमित स्वाध्याय करना तथा संयम, त्याग और सदाचार को अपनाना ही वास्तविक धर्म साधना है। जिनवाणी मनुष्य को आत्मचिंतन एवं विवेक के माध्यम से मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करती है। प्रवचन के दौरान पूरा चंद्र तीर्थ मंडपम् श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने एकाग्र भाव से धर्मोपदेश का श्रवण कर आचार्य श्री का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास के अवसर पर प्रतिदिन आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन, महामंत्री नरेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष शिंबू जैन, प्रचार मंत्री उमंग जैन, चातुर्मास अध्यक्ष सुरेश जैन, अनिल जैन, राकेश जैन, नवीन जैन, विजय जैन एवं संदीप जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आर. के. कम्युनिटी सेंटर में धर्मसभा, अस्थायी वेदी में भगवान विराजमान

आचार्य श्री विहर्ष सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में अभिषेक, शांतिधारा एवं याज्ञ मंडल विधान का आयोजन

शाबाश इंडिया

आर. के. कम्युनिटी सेंटर में सोमवार प्रातः धर्मसभा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री 108 वर्धमान सागरजी महाराज, आचार्य श्री 108 विराग सागरजी महाराज एवं आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागरजी महाराज के चित्रों के अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आज के पुण्यार्जक परिवार का सौभाग्य श्री शांतिलाल जैन (ग्वालियर) एवं उनकी टीम को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूवाचार्यों के चित्रों के समक्ष अर्घ्य समर्पित कर श्रद्धापूर्वक वंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कमल बैद ने किया।

इन्द्रियों और मन पर विजय प्राप्त करने वाला ही बन सकता है भगवान

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विजयेश सागरजी महाराज ने कहा कि भगवान महावीर का शासन ऐसे समय प्रारंभ हुआ, जब समाज में हिंसा और अशांति का वातावरण था। ऐसे कठिन समय में भगवान महावीर का अवतरण हुआ और उन्होंने संसार को ''जियो और जीने दो'' का अमर संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य पांच इन्द्रियों एवं मन से युक्त है। भगवान वही बन सकता है, जो अपनी इन्द्रियों और मन पर विजय प्राप्त कर ले। आज अधिकांश लोग इन्द्रियों के अनुसार जीवन जी रहे हैं, जबकि संत-महात्मा इन्द्रियों पर संयम स्थापित कर आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने आचार्य श्री 108 वर्धमान सागरजी महाराज (दक्षिण) की समाधि का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने 13 दिन के उपवास के साथ इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रखते हुए समाधि धारण की थी। मुनिश्री ने कहा कि साधु-संतों की संगति, गुरु वाणी एवं भगवान की वाणी पर अटूट श्रद्धा ही जीवन का वास्तविक आधार है। जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक णमोकार मंत्र का पाठ करता है, वह अपने जीवन का कल्याण कर सकता है। आज समाज में श्रद्धा और आस्था का अभाव दिखाई देता है, जबकि चमत्कार श्रद्धा से ही संभव होते हैं। माता-पिता के प्रति श्रद्धा रखने से उनका आशीर्वाद भी जीवन को सफल बनाने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि संसार में कहीं भी भटकने से स्थायी सुख प्राप्त नहीं होता। वास्तविक शांति केवल जिनेन्द्र भगवान तथा देव-शास्त्र-गुरु में अटूट आस्था रखने से प्राप्त होती है। जब तक धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा नहीं होगी, तब तक आत्मकल्याण संभव नहीं है। मुनि श्री विजयेश सागरजी महाराज ने कहा कि चातुर्मास के इस पुण्य अवसर पर आचार्य श्री 108 विहर्ष सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भगवान आदिनाथ, भगवान पार्श्वनाथ एवं वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की विशेष कृपा से वातावरण भी मंगलमय बना हुआ है। संसार का सबसे बड़ा रोग जन्म, जरा और मृत्यु है, जिसका निवारण भगवान के दर्शन, भक्ति और आराधना से संभव है। मुनिश्री ने कर्म सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक जीव अनादिकाल से अनंत भवों में भटक रहा है और असंख्य कर्मों का बंध कर चुका है। इन कर्मों की निर्जरा के लिए भगवान महावीर ने तप का मार्ग बताया है। उन्होंने उपवास की सही विधि बताते हुए कहा कि उपवास केवल भोजन त्यागने का नाम नहीं है, बल्कि इन्द्रिय संयम, मौन, आत्मचिंतन, स्वाध्याय एवं शुभ परिणामों का अभ्यास है। उपवास के दिन सांसारिक विषयों से दूर रहकर धर्म आराधना करनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि ग्वालियर से पधारे श्री शांतिलाल जैन एवं उनकी टीम समाज के अनमोल रत्न हैं। जैसे नगीनों का महत्व केवल आभूषणों में नहीं होता, वैसे ही समाज में श्रेष्ठ व्यक्तित्व उसकी वास्तविक धरोहर होते हैं। जीवन एक अमूल्य अवसर है, इसे धर्म साधना में लगाना चाहिए। सोमवार प्रातः श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से भगवान श्री आदिनाथ, भगवान श्री पार्श्वनाथ एवं वर्तमान शासन नायक भगवान श्री महावीर स्वामी की प्रतिमाओं को आर. के. कम्युनिटी सेंटर में निर्मित अस्थायी वेदी एवं चैत्यालय में विधि-विधानपूर्वक विराजमान कराया गया। इस अवसर पर पदम गंगवाल, जितेन्द्र पाटनी, विकास पाटनी, राजेन्द्र सोगानी, सागर बाकलीवाल, संजय पाटनी एवं पीयूष अजमेरा श्रीजी को मंदिर से आर. के. कम्युनिटी सेंटर तक झालर-वादन के साथ श्रद्धापूर्वक लेकर पहुंचे और अस्थायी वेदी में विराजमान कराया। आचार्य श्री 108 विहर्ष सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में तीनों भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, याज्ञ मंडल विधान एवं वेदी प्रतिष्ठा का मंगल आयोजन संपन्न हुआ। समस्त धार्मिक विधियां पं. अभिषेक शास्त्री द्वारा संपन्न कराई गईं। याज्ञ मंडल विधान में विमल पाटनी (उरसेवा), राजकुमार दोषी, रोहित गंगवाल, मनीष बैद, सुशील काला सहित बड़ी संख्या में समाजजन श्रद्धापूर्वक उपस्थित रहे।

अपने लोकप्रिय नेता की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों ने किया रक्तदान

शिविर में 245 यूनिट रक्त संग्रहित, रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजापार्क स्थित शिव हरमिलाप भवन में पीएचडी स्पोर्ट्स क्लब एवं प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन (इंटक) के संयुक्त तत्वावधान में जलदाय फेडरेशन इंटक के प्रथम प्रदेशाध्यक्ष, श्रमिक जगत के प्रेरणास्रोत एवं लोकप्रिय कर्मचारी नेता स्वर्गीय मांगीलाल शर्मा की 33वीं पुण्यतिथि पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का राजा पार्क स्थित शिव हर मिलाप भवन में गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों कर्मचारी नेताओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मानवीय सेवा के इस पुनीत अभियान में 245 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा।इस अवसर पर आयोजन समिति एवं संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, महामंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, विधि सलाहकार मुकेश कुमार माथुर, जलदाय यूथ इंटक के प्रदेशाध्यक्ष अजीत सिंह शेखावत तथा प्रदेश प्रवक्ता विजय सिंह ने बताया कि स्व. मांगीलाल शर्मा के सेवा, संघर्ष और कर्मचारी हितों के आदर्शों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय संदेश दिय। इस मौके पर हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, राजस्थान इंटक के प्रदेशाध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, राजापार्क पार्षद स्वाति परनामी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई। सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा इस जनसेवा अभियान की मुक्तकंठ से सराहना की।कार्यक्रम का समापन स्वर्गीय मांगीलाल शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं उनके बताए सेवा, संघर्ष और संगठन के मार्ग पर चलने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

भीलवाड़ावालों, मुझे न नोट न वोट चाहिए, मुझे तो बस आपके जीवन की खोट चाहिए : पुलकसागर महाराज

चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना समारोह में पुण्यार्जक परिवारों को मिला धार्मिक क्रियाओं का लाभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में विराजित राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज के भीलवाड़ा में पहली बार आयोजित चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ रविवार को नगर निगम के चित्रकूटधाम में मंगल कलश स्थापना के साथ हुआ। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित समारोह में श्रद्धा, आस्था एवं भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भीलवाड़ा ही नहीं, बल्कि राजस्थान एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन न केवल धार्मिक उत्सव बना, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं आत्मिक जागरण का संदेश भी लेकर आया। मुख्य कलश के पुण्यार्जक तिलोकचंद छाबड़ा एवं सुरेन्द्र सुराणा परिवार रहे। चातुर्मास के पुण्यार्जक दिलीप-प्रवीण-नवीन चौधरी परिवार, नंदलाल-सुरेश कोठारी परिवार, सुशील-सुनील-लोकेन्द्र जैन परिवार, गुलाबचंद-मनीष शाह परिवार तथा निहालचंद-लोकेश अजमेरा परिवार रहे। इनके साथ ही 100 श्रावक परिवारों को भी चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

तुम्हारी जिंदगी की वह खोट चाहिए, जो चैन की नींद नहीं सोने देती

धर्मसभा में आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि कलश स्थापना के साथ आपके कर्तव्य पूर्ण हो गए, अब कर्तव्य हमारे हैं। आज से चातुर्मास की जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने कहा, ''मुझे भीलवाड़ावालों से न नोट चाहिए, न वोट और न सपोर्ट। मुझे तो बस तुम्हारी जिंदगी की वह खोट चाहिए, जो तुम्हें चैन की नींद नहीं सोने देती। वह खोट चाहिए, जहां एक घर दूसरे घर से बोलता नहीं है और दिलों में खड़ी दीवारों को गिराने का अवसर चाहिए।'' उन्होंने कहा कि मुझे प्रतिदिन 24 घंटों में से आपका केवल एक घंटा चाहिए। यह एक घंटा दे दिया तो मैं आपके शेष 23 घंटे सार्थक करने का वचन देता हूं। मैं ऐसी बात करूंगा, जिससे आपको जिंदगी जीने का आनंद मिल सके। आचार्यश्री ने कहा कि मैं यहां चातुर्मास करने आया हूं। मुझे तुम्हारे सोफा सेट और डायमंड सेट से मतलब नहीं है, मुझे तुम्हारे मन को सेट करना है। भीलवाड़ा से जाने से पहले ज्ञान गंगा महोत्सव के माध्यम से तुम्हारे मन को सेट करके जाऊंगा। मन सेट हो गया तो सब कुछ सेट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे प्रवचनों में पुराणों की ही नहीं, जिंदगी के अफसानों की भी बात होगी। पुराणों की बात इधर से सुनो और उधर से निकल जाती है, लेकिन प्राण की बात सुनो तो एक प्राण से दूसरे प्राण में समा जाती है। जब प्राण की बात की जाएगी तो भीलवाड़ावालों समझना कि चातुर्मास करना और कराना सार्थक हो गया।

दुनिया को नहीं, स्वयं को बदलने का करें प्रयास

आचार्यश्री ने कहा कि मैं आपकी नगरी में आया हूं तो मुझसे ज्यादा अपेक्षा मत रखना। जब तक आप स्वयं तैयार नहीं होंगे, मैं कुछ नहीं कर पाऊंगा। हमें दुनिया को नहीं, बल्कि स्वयं को बदलने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि चित्रकूटधाम में 15 से 30 अगस्त तक आयोजित होने वाले ज्ञान गंगा महोत्सव में परिवर्तन, चिंतन, जीवन को दिशा देने और स्वयं से मिलने की प्रेरणा देने वाले प्रवचन होंगे। आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि कलश केवल जल का पात्र नहीं है, बल्कि यह श्रद्धा, विश्वास एवं जीवन परिवर्तन का प्रतीक है। चातुर्मास आत्मनिरीक्षण और संयम की साधना का पर्व है। अपने घर में प्रेम का दीपक जलाने का प्रयास करें। मंगल कलश जिन्होंने लिया है, उनका भी मंगल होगा और जिन्होंने नहीं लिया है, उनका भी मंगल होगा। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि

इन कलशों में विभिन्न प्रकार की मांगलिक सामग्रियां, जड़ी-बूटियां एवं पिरामिड आदि रखे गए हैं। इन कलशों की विधिवत पूजा कर सोमवार को चातुर्मास स्थल सूर्यमहल में स्थापित किया जाएगा।

जय गुरुदेव के जयघोष के बीच निकली भव्य शोभायात्रा

चातुर्मास समिति के संयोजक मनीष शाह एवं सह संयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि आयोजन में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र एवं गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। मंगल कलश शोभायात्रा सूर्यमहल से चित्रकूटधाम के लिए रवाना हुई तो ''जय गुरुदेव'' के जयघोष से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। मुख्य कलश स्थापना करने वाले तिलोकचंद छाबड़ा एवं सुरेन्द्र सुराणा परिवार विंटेज कार में सवार थे। शोभायात्रा में 11 लाख एवं 5 लाख के पुण्यार्जक परिवारों के दो-दो सदस्य मंगल कलश लेकर बग्गियों में सवार हुए। समारोह में कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे। भव्य आयोजन में आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, पूजन एवं आरती का सौभाग्य संघपति प्रदीप मामा एवं कल्पना मामी को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व प्रातः 9 बजे चातुर्मास स्थापना के अवसर पर ध्वजारोहण का सौभाग्य संतकुमार, विपुल एवं अतुल पाटनी परिवार को मिला। आयोजन को सफल बनाने में पीयूष गोधा, लोकेश अजमेरा, रवि चौधरी, प्रेमचंद सेठी, अनिल पाटनी, जयकुमार पाटनी, भूमिका जैन, तनुजा टोंग्या एवं सुनीता पाटनी सहित समाजजनों ने सराहनीय योगदान दिया। पूरे समाज की भोजन व्यवस्था आदिनाथ नवयुवक मंडल के नेतृत्व में भीलवाड़ा के सभी मंडलों के सहयोग से की गई।

ज्ञान गंगा महोत्सव 15 अगस्त से चित्रकूटधाम में

चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना के बाद पूज्य पुलकसागरजी महाराज के सान्निध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन 3 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में होंगे। चातुर्मास का प्रमुख आकर्षण ''ज्ञान गंगा महोत्सव'' 15 से 30 अगस्त तक चित्रकूटधाम में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के तहत 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस, 19 अगस्त को मोक्ष सप्तमी एवं 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष आयोजन होंगे।

दिगम्बर जैन संतों एवं आर्यिका माताजी के 10 संघों की 31 पिच्छिकाओं के चातुर्मास मंगल कलश स्थापित

जयकारों के बीच 10 स्थानों पर हुए चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह, ध्वजारोहण से हुआ शुभारंभ। आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ का 9 अगस्त को साधु सेवा तीर्थ पदमपुरा में होगा चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर, जो पूरे विश्व में जैन नगरी के रूप में विख्यात है, में इस वर्ष 15 स्थानों पर 50 दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास हो रहे हैं। इसके साथ ही जयपुर के आसपास 7 स्थानों पर 40 पिच्छिकाओं के चातुर्मास हो रहे हैं। चातुर्मास के चार माह के दौरान विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक सेवा के विशेष कार्यक्रम भी होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक रविवार, 2 अगस्त को 10 चातुर्मास स्थलों पर वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित किए गए। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। उन्होंने बताया कि आगामी रविवार, 9 अगस्त को आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ का पदमपुरा स्थित साधु सेवा तीर्थ पर मंगल वर्षायोग कलश स्थापना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जैन संत चातुर्मास के दौरान जीव हिंसा से बचने के लिए चार माह तक एक स्थान पर रहकर त्याग और तपस्या करते हुए स्वयं की आत्मा के कल्याण के साथ जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। चातुर्मास के चार माह तक धर्म एवं ज्ञान की गंगा बहती है। जैन मंदिरों एवं चातुर्मास स्थलों पर लगातार धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियां आयोजित होती हैं।

10 स्थानों पर 10 संघों की 31 पिच्छिकाओं के वर्षायोग की स्थापना

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि रविवार को 10 स्थानों पर 10 संघों की 31 पिच्छिकाओं के वर्षायोग स्थापना के भव्य आयोजन हुए। समारोहों का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ। इसके बाद मंगलाचरण, भक्तिमय मंगल गीत, पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं हुईं। श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते अष्टद्रव्य से संतों एवं आर्यिका माताजी की संगीतमय पूजा-अर्चना की। इसके बाद संतों एवं आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन हुए। समारोह के अंत में जयकारों एवं मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से मंगल कलश स्थापित किए गए। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

गोलोक धाम में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का 38वां चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव

विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक निमोडिया स्थित गोलोक धाम में पर्यावरण संरक्षक आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ का 38वां चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव रविवार, 2 अगस्त को दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया। इस अवसर पर जयपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन सभा के कार्यकारिणी सदस्य मुकेश सोगानी, सुभाष बज, चेतन जैन निमोडिया, भाजपा के जयपुर जिला पूर्व अध्यक्ष संजय जैन, फागी शाखा के महामंत्री राजा बाबू गोधा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला कार्याध्यक्ष कमल सरावगी, समाजसेवी विनय सोगानी एवं कीर्तिनगर जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रेम जैन सहित अन्य गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित रहे।

मनमर्जी से मत बोलो, अज्ञान व नादानी में निकली भाषा का परिणाम ठीक नहीं होता- आचार्य रामदयालजी महाराज

जगत में परमात्मा से अच्छा मित्र कोई नहीं, जो जन्म से लेकर मरण तक साथ निभाता है

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

कभी भी मनमर्जी से मत बोलो। अज्ञान व नादानी में निकलने वाली भाषा का परिणाम ठीक नहीं होता। माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें और उनकी मां को गाली देने वाले बच्चों को माफ तो कर दिया, लेकिन उन्होंने वेदना भी व्यक्त की कि वे जिस भाषा का प्रयोग कर रहे थे, वह भारतीय संस्कृति की भाषा नहीं है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने रविवार को 'विश्व शांति कल्याण' चातुर्मास के तहत आयोजित दैनिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो संसार में अज्ञान का शिकार हो जाता है, वह सर्वशक्तिमान ईश्वर को भी माफ नहीं करता और उसे भी भला-बुरा कह देता है। राष्ट्रद्रोही, धर्मद्रोही, संस्कृतिद्रोही और गुरुद्रोही का साथ देने के लिए उसका अज्ञानी मन पता नहीं क्यों तैयार हो जाता है। जब परिणाम भुगतने पड़ते हैं तो वह कहता है कि मन के अनुसार चला, बोला व सोचा, इसलिए अब भुगतना पड़ेगा। ज्ञानीजन कहते हैं कि ऐसे प्राणी भवसागर में डूबेंगे, उन्हें कोई पार नहीं लगा सकता। आचार्यश्री ने कहा कि जीव दुःख के लिए अज्ञान व अविद्या के कारण कभी कर्मों को, कभी समय को और कभी परमात्मा को दोष देता है, जबकि सुख-दुःख तो उसके कर्मों की गाथा है। ईश्वर को कोसने से कुछ नहीं बदलता। अपने स्वार्थ की पूर्ति नहीं होने पर व्यक्ति सुख-दुःख का कारण गुरु को मान बैठता है। गुरु की आज्ञा व शासन का भय नहीं है तो परिणाम भुगत रहे हैं और भुगतना पड़ेगा। जीवन में मन के अनुकूल चलने की बजाय गुरु, शास्त्र व परमात्मा के अनुकूल चलें। वह अज्ञानी होता है, जिसे खुद में खूबियां और दूसरों में कमियां नजर आती हैं। उन्होंने कहा कि राम और गुरु कभी बुरा नहीं करते, लेकिन उनके प्रति बुरा सोचने वाले भी होते हैं। माता-पिता कभी बुरा नहीं करते, फिर भी कितने ही लोग उनमें भी बुराई खोज लेते हैं। स्वार्थ पूरा नहीं होने पर व्यक्ति के लिए ईश्वर भी शैतान और स्वार्थ पूरा हो जाए तो शैतान भी ईश्वर हो जाता है। स्वामीजी ने वाणीजी में अद्भुत चिंतन दिया है कि गुरु आज्ञा में विश्वास रखने वाला परमात्मा से साक्षात्कार कर सकता है। सत्संग में आचार्य रामदयालजी महाराज ने मित्रता दिवस का संदेश देते हुए कहा कि सारे संसार को मित्र भाव से देखें और किसी के प्रति शत्रुता के विचार नहीं रखें। संसारी से मित्रता करेंगे तो उसका स्वार्थ पूरा न होने पर मित्रता कब शत्रुता में बदल जाए, कहा नहीं जा सकता, लेकिन परमात्मा से अच्छा मित्र कोई नहीं मिलेगा, जो जन्म से लेकर मरण तक साथ निभाता है। परमात्मा से मित्रता करने वाला धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि सारा जगत कृष्ण के लिए रोया, लेकिन कृष्ण अपने मित्र सुदामा के लिए रोए। परमात्मा की आंख में जिसके लिए आंसू आ जाएं, वह भाग्यशाली होता है। राम ने सुग्रीव से मित्रता निभाई तो इतिहास बन गया। मित्रता दिवस किसी दिन विशेष की बजाय प्रतिदिन मनाना चाहिए। सच्चा मित्र वही होता है, जो मित्र को कुपथ से सुपथ पर ले आता है और उसके जीवन की सारी बुराइयों को समाप्त कर देता है। परमात्मा व गुरु को अपना मित्र बनाएं, जो हमें मार्गदर्शन देकर जीवन को सार्थक बनाते हैं। आचार्यश्री से पूर्व अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन दिया। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। चातुर्मास में दैनिक सत्संग का समय सुबह 9 से 10 बजे तक है। रामधुनी के साथ सुबह 8.30 से 9 बजे तक वाणीजी का पाठ हो रहा है। सूर्यास्त के समय होने वाली संध्या आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

मुंशी प्रेमचंद मानव समाज के सच्चे और सजग कलमकार थे

काव्य संगम एवं सम्मान समारोह में गूंजे साहित्य और सामाजिक चेतना के स्वर

संतोष कुमार सिंह. शाबाश इंडिया

वाराणसी। महानगर के हरसौली, नारायणपुर स्थित स्याही प्रकाशन के उद्गार सभागार में काशी हिन्दी विद्यापीठ एवं सुदामा फाउण्डेशन के तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद स्मृति काव्य संगम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें मानव समाज का सच्चा एवं सजग कलमकार बताया। वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक क्षेत्र के दर्पण थे। उनकी रचनाओं को पुस्तिकाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाकर निःशुल्क वितरित करने की आवश्यकता है, ताकि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की दिशा में उनके विचारों से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने अमीर-गरीब और ऊंच-नीच जैसी भेदभावपूर्ण दुर्भावनाओं को दूर करने का सदैव प्रयास किया। समय-समय पर उनका विरोध भी हुआ, लेकिन इसके बावजूद वे अपनी लेखनी के माध्यम से मानव समाज को जागृत करते रहे। ऐसे श्रेष्ठ व्यक्तित्व की 136वीं जयंती पर उनकी स्मृतियों और विचारों को सदैव जीवंत रखने की आवश्यकता है। समारोह की अध्यक्षता मुंशी प्रेमचंद के वंशज एवं लमही महोत्सव के संस्थापक डॉ. दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव ने की। पूर्व जिला न्यायाधीश एवं अंतरराष्ट्रीय गजलकार डॉ. चंद्रभाल सुकुमार तथा भारत गौरव डॉ. रामअवतार पांडेय एडवोकेट प्रमुख अतिथि रहे। अतिविशिष्ट अतिथि श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश, डॉ. शरद श्रीवास्तव एवं विश्व जनचेतना ट्रस्ट के अध्यक्ष कवि संतोष कुमार प्रीत ने भी मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त किए। काशी हिन्दी विद्यापीठ के कुलाधिपति एवं कार्यक्रम के प्रमुख संरक्षक कवि सुखमंगल सिंह मंगल, कुलसचिव एवं प्रमुख संयोजक-संचालक कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक, सुदामा फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वागताध्यक्ष डॉ. राजीव गौतम तथा स्वागत संयोजक पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने आगंतुकों को अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मुंशी प्रेमचंद स्मृति काव्य संगम का शुभारंभ कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक एवं संतोष कुमार प्रीत ने श्रीगणेश वंदना के साथ किया। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों एवं साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से साहित्य और सामाजिक चेतना के स्वर मुखर किए। देवरिया के कवि राममनोहर मिश्र माहिर विचित्र ने प्रेमचंद जयंती पर काव्य और पुष्प चढ़ाने आया हूं सुनाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। रायबरेली के हास्य कवि अनुज प्रताप सिंह अनुज ने सबको चाहिए माल खजाना फोकट का, कैसा आया यार जमाना फोकट का सुनाकर श्रोताओं को गुदगुदाया। कवि संतोष कुमार प्रीत ने कथा सम्राट को श्रद्धा सुमन अपना समर्पित है प्रस्तुत कर प्रेमचंद को नमन किया। चंद्रभूषण सिंह ने खाली देखात हर जगह लड़ाई बा, कवि सुखमंगल सिंह मंगल ने ना मांग किसी और से उषा की रश्मियां, डॉ. बुद्धदेव तिवारी ने आओ सावन मनभावन, हम-सब गाएं मेघ-मल्हार, कवि विनय कुमार गुप्ता तन्हा जौनपुरी ने बड़े खुदगर्ज हैं बेदर्द जमाने वाले तथा डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने जिन्दगी की अजब सी कहानी है सुनाकर श्रोताओं की सराहना बटोरी। कवि चिंतित बनारसी ने गुप्तगूं करते हैं पक्षी भी आशियाने में, कवि सूर्यदीप कुशवाहा ने झूठ ने सच का लिबास पहना है, डॉ. शरद श्रीवास्तव ने कहां जा रहे हो, ऐ बदरा सुहाने और कवि आनन्द कृष्ण मासूम ने पर्यावरण और जल प्रदूषण से बचाए रखिए प्रस्तुत की। कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक ने मुंशी प्रेमचंद सचमुच महान थे, रहते थे वो धरा पर लेकिन सोच के धनी वो आसमान थे के माध्यम से कथा सम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित की। गणेश लाल मेहता ने भी मुंशी प्रेमचंद के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। डॉ. चंद्रभाल सुकुमार ने काशी के धनपत राय की लेखनी से रहते थे आततायी तंग, ऐसे अपने प्यारे लेखक, उपन्यास सम्राट थे अपने प्यारे मुंशी प्रेमचंद सुनाकर उन्हें नमन किया। डॉ. रामअवतार पाण्डेय एडवोकेट ने प्रेमचंद जईसन अब तक कोई अऊरी ना देखाईल पिया, जेकर लेखनी से भ्रष्टाचार मिट जाई पिया ना सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। डॉ. मृत्युंजय त्रिपाठी मलंग, डॉ. लियाकत अली जलज, डॉ. पूनम गुप्ता पूर्वी, डॉ. संगीता श्रीवास्तव शिवपुरी, ईश्वरचंद पटेल एवं भजन गायक राकेश चौबे संगम ने भी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक ने किया। आगंतुकों के प्रति डॉ. राजीव गौतम, पवन कुमार सिंह एडवोकेट एवं भगवती प्रसाद गोड़ ने आभार व्यक्त किया। अंत में श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश एवं कवि सुखमंगल सिंह मंगल ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों और श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ, जीवन का हर पल मूल्यवान : पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज

जीवन को सुखद और आनंदपूर्ण बनाना है तो हमेशा संभलकर जिएं

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी गुरुदेव के भक्त वैभव जैन बड़ामलहरा ने बताया कि दिल्ली के ऋषभ विहार में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है और जीवन का हर पल मूल्यवान है। व्यक्ति को एक पल भी व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए तथा प्रतिपल अपने हित का विचार करना चाहिए। पट्टाचार्य श्री ने कहा कि यदि जीवन को सुखद और आनंदपूर्ण बनाना चाहते हैं तो हमेशा संभलकर जिएं। जिनके साथ आप जीवन जीते हैं, उनके प्रति अपनापन रखें, लेकिन फिर भी सजग रहें। दूसरों की खुशी में अपनी खुशी का गला न घोंटें। अपनी प्रसन्नता की रक्षा करते हुए दूसरों की मदद करें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आप प्राणों की रक्षा के लिए सिंह, सांप आदि हिंसक जीवों से सावधान रहते हैं, उसी प्रकार दुर्जनों से बचकर रहें। निंदकों से सावधान रहें। अपने परिणामों की विशुद्धि की रक्षा करें और आत्मसम्मान को बनाए रखें।

प्रक्रिया के प्रभाव से होता है परिवर्तन

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने कहा कि प्रक्रिया के प्रभाव से परिवर्तन होता है। आप भोजन करते हैं, वह पचकर सप्त धातुओं के रूप में परिवर्तित होता है और अपशिष्ट मल के रूप में बाहर निकल जाता है। इसलिए प्रक्रिया के प्रभाव को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी वस्तु को देखने मात्र से भी व्यक्ति के भाव बदल सकते हैं। भोजन देखने पर भूख लगने लगती है। कामुक चित्र देखने पर कामवासना जागृत हो सकती है। जैसे चित्र आप देखेंगे, वैसा ही आपके चारित्र पर प्रभाव पड़ेगा। विकृत चित्र चारित्र को नष्ट करते हैं। इसलिए ऐसे चित्र देखें, जो चारित्र को पवित्र एवं निर्मल बनाने में सहायक हों।

स्व और पर के भेद को पहचानें

पट्टाचार्य श्री ने कहा कि पर को अपना और स्व को पर मानकर कष्ट में न पड़ें। पर-द्रव्य को स्वयं का मानना और पर-द्रव्य को अपना बनाने का प्रयास करना ही कष्ट का कारण है। पर, पर है और स्व, स्व है। यही भेद-विज्ञान है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दोना भिन्न है और हलवा भिन्न है। इसी प्रकार देह भिन्न है और देही अर्थात आत्मा भिन्न है। भवन, महल, धन और धरती ये सब मैं नहीं हूं, मैं इन सबसे भिन्न हूं। इस भेद को समझना आत्मकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण है।

अभिषेक अशोक पाटील
कार्याध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर

59वें आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर का भावपूर्ण मंगल आमंत्रण

छिंदवाड़ा में 19 मई से 5 जून 2027 तक होगा 18 दिवसीय ज्ञानानंद महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर एवं श्री कुंदकुंद कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 49वें आध्यात्मिक शिक्षण शिविर के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में होने वाले 59वें श्री वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर ''ज्ञानानंद महोत्सव'' का भव्य एवं भावपूर्ण मंगल आमंत्रण प्रदान किया गया। आमंत्रण समारोह श्रद्धा, उत्साह एवं जिनशासन प्रभावना के अनुपम वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर छिंदवाड़ा से लगभग 35 साधर्मीजन विशेष रूप से आमंत्रण देने के लिए पहुंचे। इनमें प्रशिक्षण शिविर समिति, कुंदकुंद कहान मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं जैन महिला मंडल छिंदवाड़ा के अनेक पदाधिकारी एवं जिनशासन सेवक उपस्थित रहे। छिंदवाड़ा मंडल की ओर से फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने भावपूर्ण शब्दों में सभी साधर्मियों से आगामी शिविर में पधारकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया। तत्पश्चात समिति अध्यक्ष ने भी अपने उद्बोधन में इस मंगल आयोजन की अनुमोदना करते हुए अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान किया। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट की ओर से पंडित विपिन शास्त्री (मुंबई) ने उपस्थित जनसमुदाय को छिंदवाड़ा में

आयोजित होने वाले 18 दिवसीय आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर में सहभागी बनने का हार्दिक निमंत्रण दिया। वहीं डॉ. शांतिकुमार पाटील एवं पंडित विवेक शास्त्री ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधनों में स्वाध्याय, तत्त्वज्ञान एवं जिनशासन प्रभावना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए साधर्मियों को शिविर में अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

देशभर से विद्वानों एवं पदाधिकारियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में श्री कुंदकुंद कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट की ओर से महिपाल शाह (बांसवाड़ा), चम्पालाल भण्डारी (जयपुर), सुशील बजाज (कोलकाता), नरेश लुहाड़िया (दिल्ली), हर्षवर्धन जैन (औरंगाबाद) एवं अशोक जैन (जबलपुर) की गरिमामयी उपस्थिति रही। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशीलकुमार गोदिका, पंडित विपिन शास्त्री (मुंबई), शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल एवं सौरभकुमार गोदिका भी मंचासीन रहे। इसके अतिरिक्त प्रमुख विद्वानों में डॉ. शांतिकुमार पाटील, डॉ. मनीष शास्त्री (मेरठ), कमलचंद जैन (पीडावा), डॉ. प्रवीन शास्त्री (इंदौर) एवं पंडित पियूष शास्त्री (जयपुर) सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। अतिथियों की उपस्थिति से संपूर्ण मंच सुशोभित रहा तथा भावपूर्ण वातावरण में सभा बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजती रही। इस अवसर पर छिंदवाड़ा में आयोजित होने वाले 59वें आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर की ध्वजा एवं मंगल आमंत्रण छिंदवाड़ा से पधारे प्रतिनिधियों को विधिवत सौंपा गया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिनिधियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति-भेंट प्रदान कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया।

19 मई से 5 जून 2027 तक छिंदवाड़ा में होगा शिविर

उल्लेखनीय है कि 59वां श्री वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर ''ज्ञानानंद महोत्सव'' मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 19 मई से 5 जून 2027 तक आयोजित होगा। 18 दिवसीय इस शिविर में देशभर से हजारों साधर्मीजन सहभागिता कर वीतराग तत्त्वज्ञान, स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक चिंतन का लाभ प्राप्त करेंगे।

प्रगति इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद के नए नेतृत्व ने संभाली कमान

नवप्रवेशित छात्र अरशान शेरवानी बने जूनियर वाइस कैप्टन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रगति इंटरनेशनल स्कूल, पुलिस लाइन में शनिवार को छात्र नेतृत्व, अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भव्य एवं गरिमामय इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जफर मोहम्मद, निदेशक डॉ. परवेज तथा प्रधानाध्यापिका डॉ. फेमिना ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। समारोह में विद्यालय की नवगठित छात्र परिषद के हेड बॉय, हेड गर्ल, विभिन्न हाउसों के कैप्टन, वाइस कैप्टन एवं अन्य पदाधिकारियों को बैज एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्हें अपने पद एवं दायित्वों के प्रति निष्ठा, अनुशासन, सेवा एवं नेतृत्व की शपथ दिलाई गई। इस वर्ष विद्यालय में नया प्रवेश लेने वाले होनहार छात्र अरशान शेरवानी ने अल्प समय में ही अपनी मिलनसार प्रवृत्ति से साथी विद्यार्थियों के बीच विशेष पहचान बनाई। छात्र परिषद के चुनाव में जीत हासिल करने के बाद उन्हें जूनियर वाइस कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जफर मोहम्मद ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों का ईमानदारी, संवेदनशीलता

और समर्पण के साथ निर्वहन करना है। निदेशक डॉ. परवेज ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व अपने साथियों को प्रेरित करने, टीम भावना विकसित करने और विद्यालय की उत्कृष्ट परंपराओं को आगे बढ़ाने में निहित है। प्रधानाध्यापिका डॉ. फेमिना ने सभी नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि इन्वेस्टिचर सेरेमनी केवल पदभार ग्रहण करने का अवसर नहीं, बल्कि नेतृत्व, आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग एवं उत्तरदायित्व की भावना को आत्मसात करने का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

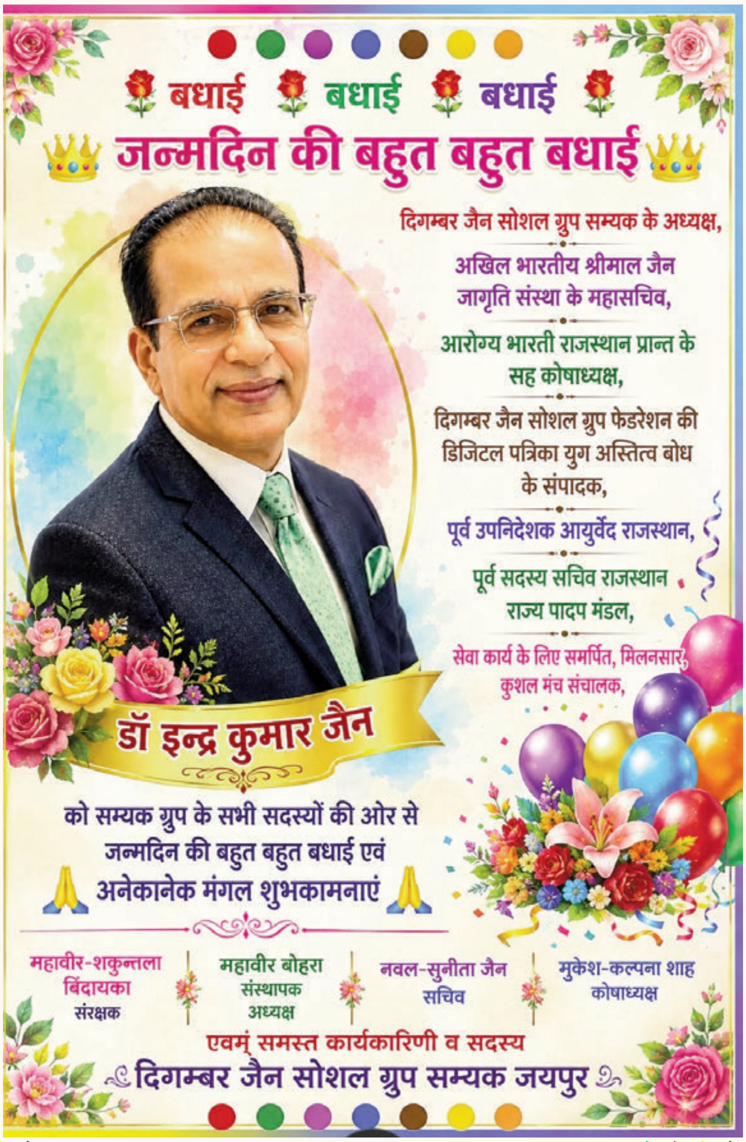

9 अगस्त को निकलेगी मुनि-आर्यिका दर्शन यात्रा, 13 चातुर्मास स्थलों के होंगे दर्शन

मुहाना में मुनि विश्व विजय सागर एवं वरुण पथ में गणिनी आर्यिका विभाश्री के सानिध्य में हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी के नाम से विख्यात पिंकसिटी इस वर्ष भी दिगंबर जैन संतों के चातुर्मास की साक्षी बन रही है। शहर में इस बार 13 स्थानों पर चातुर्मास आयोजित हो रहे हैं। इन्हीं चातुर्मास स्थलों पर विराजमान आचार्य, उपाध्याय, मुनि एवं आर्यिका ससंघ के दर्शन कराने के उद्देश्य से अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ, मानसरोवर संभाग की ओर से रविवार, 9 अगस्त को एक दिवसीय ''मुनि-आर्यिका दर्शन यात्रा'' का आयोजन किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ सुबह 6.30 बजे वरुण पथ, मानसरोवर स्थित दिगंबर जैन मंदिर से होगा। यात्रा के दौरान जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों में विराजमान संतों एवं प्रमुख जैन मंदिरों के दर्शन कराए जाएंगे। इसमें 250 से अधिक श्रद्धालुओं के सहभागी बनने की संभावना है। एकता संघ मानसरोवर संभाग के कोषाध्यक्ष सुदर्शन पाटनी एवं यात्रा संयोजक प्रिया बाकलीवाल ने बताया कि यात्रा के पोस्टर का विमोचन दो स्थानों पर किया गया। पहला विमोचन वरुण पथ, मानसरोवर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में तथा दूसरा मुहाना स्थित पारस विहार दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान मुनि श्री 108 विश्व विजय सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संतों का मंगल आशीर्वाद भी प्राप्त किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, राष्ट्रीय सचिव प्रमोद बाकलीवाल, मानसरोवर संभाग अध्यक्ष कुलदीप छाबड़ा, महामंत्री अनंत जैन, सदस्य मुकेश जैन, सलाहकार जयंत छाबड़ा सहित वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला, पारस विहार दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन गोदिका, अशोक जैन खेड़ली वाले, कौशल सेठी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ह्यूमन ग्लोरी वूमेन्स क्लब ने उत्साहपूर्वक मनाया फ्रेंडशिप डे, लहरिया क्वीन प्रतियोगिता बनी आकर्षण का केंद्र

पारंपरिक लहरिया परिधानों में महिलाओं ने दिया मित्रता, प्रेम और आपसी सौहार्द का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट की महिला इकाई ह्यूमन ग्लोरी वूमेन्स क्लब की ओर से फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेशन हर्षोल्लास एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया परिधान में भाग लेकर मित्रता, प्रेम और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना अदिति सोगानी के सान्निध्य में फ्रेंडशिप केक काटकर किया गया। इस अवसर पर अदिति सोगानी ने मित्रता, महिला सशक्तिकरण एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने एवं सामाजिक सहभागिता के नए अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने ह्यूमन ग्लोरी वूमेन्स क्लब के प्रयास की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन ह्यभंवरह्न ने कहा कि फ्रेंडशिप डे जैसे आयोजन समाज में प्रेम, विश्वास एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को नए मित्र बनाने, एक-दूसरे से जुड़ने तथा आत्मीय रिश्तों को मजबूत करने का अवसर मिलता है। ह्यूमन ग्लोरी वूमेन्स क्लब की अध्यक्ष मनीषा जैन ''कुसुम'' ने कहा कि दोस्ती जीवन की सबसे अनमोल पूंजी है। क्लब का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा सकारात्मक मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने व्यक्तित्व का विकास करने के साथ नए रिश्ते बना सकें और खुशियों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

लहरिया क्वीन प्रतियोगिता रही विशेष आकर्षण

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर मित्रता और आत्मीय रिश्तों को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित लहरिया क्वीन प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि अदिति सोगानी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ मनोरंजक गेम्स, संगीत एवं विभिन्न गतिविधियों ने प्रतिभागियों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जयश्री ज्वेलर्स के संस्थापक अवंत जैन का विशेष सहयोग रहा। मुख्य अतिथि, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी महिलाओं के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

सावन की फुहारों के बीच एम्बीशन किड्स एकेडमी में बच्चों ने मनाया रेन डांस उत्सव

गीत-संगीत पर जमकर थिरके नन्हे-मुन्ने, मनोरंजक खेलों में भी उत्साह से लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रतापनगर, श्योपुर रोड स्थित एम्बीशन किड्स एकेडमी में शनिवार को नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए उत्साह एवं उमंग से भरपूर रेन डांस उत्सव का आयोजन किया गया। सावन के आगमन की खुशी में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने रंग-बिरंगी वर्षा फुहारों के बीच विभिन्न फिल्मी एवं बाल गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ रेन डांस का आनंद लेने के साथ विभिन्न मनोरंजक खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्थान की प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने बताया कि इस प्रकार की सह-शैक्षणिक गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में आपसी सहयोग, मित्रता, आत्मविश्वास एवं सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करना है। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलता है। सह-प्राचार्या अनीता जैन ने बताया कि प्रतापनगर, श्योपुर रोड स्थित एम्बीशन किड्स एकेडमी वातानुकूलित अंग्रेजी माध्यम विद्यालय है, जहां बच्चों को शैक्षणिक वातावरण के साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। विद्यालय में ''खेल-खेल में सीखने'' की अवधारणा को व्यवहारिक रूप से अपनाया गया है। इसी उद्देश्य से विद्यालय में आधुनिक किड्स जोन विकसित किया गया है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में सहायक है। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एवं वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' तथा डॉ. शांति जैन ने बच्चों को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ. मनीष जैन ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाने के साथ उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. मनीष जैन
निदेशक, एम्बीशन किड्स एकेडमी

29वें विरागमय पावन वर्षायोग का शुभारंभ, श्रद्धा-भक्ति के साथ हुआ कलश स्थापना महोत्सव

गणिनी आर्यिका श्री विशिष्ट श्री माताजी ने कहा- साधु और श्रावक का परस्पर जुड़ाव ही वर्षायोग की वास्तविक सफलता

परतापुर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी परतापुर में रविवार को गणिनी आर्यिका 105 विशिष्ट श्री माताजी ससंघ के 29वें विरागमय पावन वर्षायोग का शुभारंभ भक्ति, श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर आयोजित कलश स्थापना महोत्सव में परतापुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रवक्ता राहुल जैन ने बताया कि वर्षायोग के शुभारंभ अवसर पर ध्वजारोहण का पुण्यलाभ शाह भावेश प्रकाशजी परिवार को प्राप्त हुआ। प्रातःकाल सहस्त्रनाम कलशों से भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। दोपहर में बालिका मंडल एवं बहू मंडल द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया गया तथा श्री 1008 नेमिनाथ भगवान एवं पूज्य पूवार्चार्यों के चरणों में अर्घ्य समर्पित कर वर्षायोग के मंगलमय एवं निर्विघ्न संचालन की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में गणाचार्य 108 श्री विराग सागरजी महाराज की भक्तिमय संगीतमय पूजा हुई। संगीतकार दीपेश ने अपने मधुर स्वरों एवं भजनों के माध्यम से पूजा संपन्न कराई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य हसमुखजी ने चातुर्मास, वर्षायोग एवं कलश स्थापना की महिमा बताते हुए धर्म, संयम और आत्मकल्याण का संदेश दिया।

इन परिवारों को मिला कलश स्थापना का पुण्यलाभ

कलश स्थापना का पुण्यलाभ क्रमशः शाह राजेश-पवनजी परिवार, पंचोरी परेश-चांदमलजी परिवार, कोठारी विनीत-सागरमलजी परिवार, पंचोरी प्रदीप-सागरमलजी परिवार, कोरावत मयंक-नरेंद्रजी परिवार, संदीप जैन (दुबई), दोसी चिराग-दिलीपजी परिवार तथा दोसी विनोद, सुभाष, दिनेश रितु गारमेंट परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अरुण कोटड़िया परिवार को गणिनी आर्यिका 105 विशिष्ट श्री माताजी ससंघ के पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट का पुण्यलाभ प्राप्त हुआ। वहीं शाह प्रतीक-कनकमलजी परिवार ने भोजनदाता बनकर पुण्यार्जन किया। अपने आशीर्वचन में गणिनी आर्यिका 105 विशिष्ट श्री माताजी ने कहा कि साधु और श्रावक का परस्पर जुड़ाव ही वर्षायोग की वास्तविक सफलता है। चातुर्मास एवं वर्षायोग आत्मकल्याण, धर्मध्यान, स्वाध्याय, तप और पुण्यार्जन का अनुपम अवसर है। प्रत्येक श्रद्धालु को इन चार

महीनों का अधिकतम सदुपयोग करते हुए धर्ममय जीवन की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन चिराग दोसी ने किया। अंत में सभी कलशधारकों, दानदाताओं एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। पूरे आयोजन के दौरान धर्ममय वातावरण, संगीतमय भक्ति और श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में सहभागिता ने 29वें विरागमय पावन वर्षायोग के शुभारंभ को विशेष बना दिया।

शिक्षक संघ रेसटा ने फिर निभाया सामाजिक सरोकार, मेधावी विद्यार्थियों के लिए भेंट कीं 401 पुस्तकें

डीईओ और एडीईओ को सौंपी ''गणित के फार्मूले ही फार्मूले-टू'' की पुस्तकें

बीकानेर. शाबाश इंडिया

शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि संगठन की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष जिला स्तर पर कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया जाता है। शिक्षक संघ रेसटा शिक्षकों की वाजिब मांगों को उठाने के साथ समय-समय पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि संगठन अपने स्थापना दिवस 5 सितम्बर पर वर्ष 2019 से लगातार राज्यभर में पौधरोपण अभियान चला रहा है, जिसके तहत 11 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शिक्षक संघ रेसटा की ओर से शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), बीकानेर डॉ. रामगोपाल शर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शैक्षिक प्रकोष्ठ लोकेश आत्रेय एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रशासन शिवशंकर चौधरी को जिले के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए ''गणित के फार्मूले ही फार्मूले-टू'' की 401 पुस्तकें भेंट की गईं। इन पुस्तकों की कुल कीमत करीब 25 हजार रुपए बताई गई है। संगठन के अनुसार ये पुस्तकें जिले के उच्च प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक सरकारी विद्यालयों में आवश्यकता के अनुसार वितरित की जाएंगी। कक्षा 3 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए ये पुस्तकें वर्गमूल, वर्ग, घन एवं घनमूल निकालने सहित गणित के विभिन्न सूत्रों को समझने में उपयोगी होंगी। ये पुस्तकें संगठन के जिला संरक्षक एवं सेवानिवृत्त व्याख्याता संजीव कुमार यादव ने संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की प्रेरणा से भेंट की हैं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रामगोपाल शर्मा तथा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश आत्रेय एवं शिवशंकर चौधरी ने संगठन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ रेसटा की ओर से किए जा रहे सामाजिक सरोकार के ऐसे कार्य विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होते हैं और समाज में सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी एवं जिला महामंत्री पवन शर्मा ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा के समान है और संगठन भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में अपनी सहभागिता निभाता रहेगा। इस अवसर पर संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई, प्रदेश विधि सलाहकार अधिवक्ता हनुमान प्रसाद शर्मा, जिला संरक्षक संजीव कुमार यादव, जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी, जिला महामंत्री पवन शर्मा, जिला प्रवक्ता अविनाश आसिया, जिला संगठन मंत्री ओम शंकर मौर्य, कोलायत ब्लॉक अध्यक्ष रामदयाल धायल, हदा ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष विश्नोई, निर्मल रतनू, सौरभ प्रजापत एवं अरुण कुमार सोलंकी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से शिष्टाचार भेंट कर दी शुभकामनाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के कार्यकाल के 31 जुलाई को दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गैंगटोक के कुलसचिव एवं राजस्थान के जयपुर जिले की चौमूं तहसील स्थित अशोक विहार कॉलोनी निवासी प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत ने रविवार, 2 अगस्त को लोक भवन में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से शिष्टाचार भेंट कर शुभकामनाएं दीं एवं उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार रावत ने राज्यपाल माथुर को सिक्किम का प्रचलित पटका एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया और गुलदस्ता भेंट किया। साथ ही रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित राष्ट्रगान का फोटो फ्रेम भी उन्हें प्रदान किया। गौरतलब है कि राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में भारत-चीन सीमा पर स्थित सेना की विभिन्न चौकियों और दुर्गम क्षेत्रों का कई बार दौरा किया है। करीब 75 वर्ष की उम्र में भी उन्होंने युवा जोश एवं उत्साह के साथ सर्दी, बारिश, बर्फबारी और भूस्खलन जैसी विषम परिस्थितियों की परवाह किए बिना गैंगटोक की करीब 5500 फीट की ऊंचाई से लेकर लगभग 19000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेना की विभिन्न चौकियों, पड़ावों एवं सैन्य स्थलों पर पहुंचकर जवानों से मुलाकात की। इन दौरों के दौरान उन्होंने सेना के जवानों की आवश्यकताओं को जाना और उनका मनोबल बढ़ाया। उनके प्रयासों से जवानों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ शहीद सैनिकों की स्मृति में प्रतिमाओं की स्थापना एवं स्मारकों के निर्माण जैसे कार्य भी किए गए। यह देश की सुरक्षा एवं सेना की मजबूती के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। अपने दो वर्ष के कार्यकाल में माथुर ने सिक्किम लोक भवन के कर्मचारियों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए। इसके साथ ही सिक्किम की जनता से सीधा संवाद, लघु उद्योगों को बढ़ावा देने और सिक्किम की विश्व प्रसिद्ध जैविक खेती के मॉडल को देशभर में प्रोत्साहित करने के लिए भी लगातार प्रयास किए हैं। उन्होंने विभिन्न मंचों से सिक्किम के जैविक खेती मॉडल को देश के अन्य हिस्सों में अपनाने की अपील करते हुए इसके पुरजोर समर्थन की बात कही है। राज्यपाल माथुर के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का सिक्किम आगमन तथा प्रदेश की जनता से उनका रूबरू होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल रहा। जनहित एवं रचनात्मक कार्यों तथा अपनी कार्यशैली के कारण माथुर इन दो वर्षों में सिक्किम की जनता के बीच ''ओम जी भाई साहब'' के नाम से लोकप्रिय हुए हैं। आमजन उनसे मुलाकात कर अपने विचार एवं समस्याएं साझा कर सकते हैं।

दान देने से मन की शुद्धि, पुण्य की प्राप्ति और आत्मिक सुख मिलता है : आर्यिका श्रुतमति माताजी

पार्श्वनाथ चैत्यालय में चातुर्मासकालीन वाचना के दौरान बताई आहार, औषधि, ज्ञान और अभय दान की महत्ता

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोधमति माताजी ससंघ चातुर्मासकालीन वाचना के माध्यम से धर्म की प्रभावना कर रही हैं। राजस्थान जैन महासभा शाखा फागी के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः पार्श्वनाथ चैत्यालय में श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा करने के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। धर्मसभा में आर्यिका श्रुतमति माताजी ने श्रद्धालुओं को दान की महत्ता बताते हुए कहा कि दान देने से मन की शुद्धि होती है। जैन दर्शन में मुख्य रूप से चार प्रकार के दान बताए गए हैं- आहार दान, औषधि दान, ज्ञान दान और अभय दान। दान से मन की शुद्धि, पुण्य की प्राप्ति और आत्मिक सुख मिलता है। यह व्यक्ति के भीतर लोभ और मोह को कम कर त्याग की भावना को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अपात्र व्यक्ति, गलत नीयत वाले व्यक्ति तथा अयोग्य वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए। दान हमेशा योग्य पात्र को ही देना चाहिए। अंतर्मन से और शुद्ध भावों के साथ दिया गया दान ही सार्थक होता है।

आहार दान का विशेष महत्व

आर्यिका श्रुतमति माताजी ने आहार दान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन धर्म में आहार दान का विशेष महत्व है। जैन मुनियों को आहार देने से बड़ा पुण्य प्राप्त होता है। जिन्होंने कभी अभक्ष्य पदार्थों, मांस एवं मदिरा आदि का सेवन नहीं किया हो, वे आहार देने के योग्य पात्र होते हैं। उन्होंने कहा कि दान में इतनी शक्ति है कि वह व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। शुद्ध भावों से किया गया दान जीवन को सुखमय बनाने के साथ आत्मकल्याण की दिशा में भी आगे बढ़ाता है।

तेरापंथ युवक परिषद मदुरई ने आयोजित किया भव्य मंत्र दीक्षा कार्यक्रम

उपासक धनराज लोढ़ा एवं उपासिका सरोज देवी लोढ़ा की प्रेरणा से बच्चों ने ग्रहण की नवकार महामंत्र की दीक्षा

मदुरई. शाबाश इंडिया। स्थानीय तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद मदुरई के तत्वावधान में प्रेरणादायी मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ उपासक धनराज लोढ़ा एवं उपासिका सरोज देवी लोढ़ा की गरिमामयी उपस्थिति में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। तेरापंथ युवक परिषद मदुरई के अध्यक्ष संदीप बोकडिया ने सभी का स्वागत करते हुए बच्चों को गुरु प्रेरणा से आगे बढ़ने तथा ज्ञान को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। ज्ञानशाला प्रभारी एवं उपासक धनराज लोढ़ा ने बच्चों को नवकार महामंत्र का महत्व बताते हुए सामूहिक मंत्र दीक्षा का संकल्प कराया। उपासिका सरोज देवी लोढ़ा ने नवकार महामंत्र का सरल एवं प्रेरक भावार्थ समझाते हुए बच्चों को आध्यात्मिक, संस्कारित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर मूर्तिपूजक समाज के यतींद्र भवन में चातुर्मास के लिए विराजित साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी आदि ठाणा तेरापंथ भवन पधारीं। उन्होंने बच्चों को मंत्र दीक्षा के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराते हुए प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतमचंद गोलेच्छा, सभा मीडिया प्रभारी अशोक जीरावाला जैन एवं महिला मंडल अध्यक्षा दीपिका फुलफगर सहित अनेक गणमान्यजनों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से ज्ञानशाला भेजने का आग्रह किया। इस अवसर पर ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं बबीता लोढ़ा, लता कोठारी, मधु पारख, संतोष बोकडिया, सुनीता कोठारी एवं दीपिका फुलफगर के सतत एवं समर्पित सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री विकास संकलेचा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। साध्वीश्री के मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डॉ. लीलाधर दोचानियां के कहानी संग्रह "मिट्टी की कीमत" का लोकार्पण

जनसम्पर्क मित्र समूह के 16वें स्नेह मिलन में साहित्यकारों और सेवानिवृत्त जनसम्पर्क कर्मियों ने की कृति की सराहना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनसम्पर्क मित्र समूह का 16वां स्नेह मिलन रविवार को नारायण सिंह सर्किल के निकट स्थित जैन भट्टारकजी की नसियां परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. लीलाधर दोचानियां के कहानी संग्रह "मिट्टी की कीमत" का उपस्थित सेवानिवृत्त जनसम्पर्क कर्मियों ने लोकार्पण किया। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविन्द पारीक ने कहानी संग्रह "मिट्टी की कीमत" की सराहना करते हुए कहा कि इसकी कहानियों में गांव की सौंधी मिट्टी की खुशबू है। हर व्यक्ति को अपनी मिट्टी से जुड़े रहना चाहिए। यह मिट्टी ही हमारे जीवन और संस्कारों की असली पूंजी है। उन्होंने डॉ. लीलाधर दोचानियां को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक गोपाल शर्मा ने कहा कि डॉ. लीलाधर ने सहज और सरल भाषा को आत्मसात करते हुए ग्रामीण जनजीवन पर सुंदर कहानियां लिखी हैं। अपनी पिछली कृति में उन्होंने "जिन्दगी मुस्कुराती रहे" की बात की थी और अब अपने नए कहानी संग्रह में मिट्टी की महक को समेटा है। प्रसिद्ध लेखिका एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना ने कहा कि डॉ. लीलाधर ने गांव के परिवेश में जो देखा और अनुभव किया, उसे पूरी ईमानदारी के साथ अपनी कहानियों में अभिव्यक्त किया है। मिट्टी केवल धरती नहीं होती, बल्कि वह हमारी पहचान, संस्कृति और संस्कारों का मुख्य आधार होती है। उन्होंने कहानी संग्रह के लिए डॉ. लीलाधर को बधाई दी। प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक ईश्वर दत्त माथुर ने कहा कि डॉ. लीलाधर गांव की मिट्टी से जुड़े साहित्यकार हैं। उनकी कहानियों में गांव का संघर्ष और बेरोजगार युवाओं की पीड़ा भी दिखाई देती है। ग्रामीण परिवेश और सामाजिक संस्कारों को समेटे उनकी कहानियां ग्रामीण जनजीवन का सुंदर एवं जीवंत चित्र प्रस्तुत करती हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनसम्पर्क कर्मी यादवेन्द्र सेन, रूपसिंह कविया, गणपत नारोलिया, वीना करमचंदानी, रेणु जुनेजा, रवि गोस्वामी एवं राजेन्द्र शर्मा "राजू" सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गुलाबीनगर ग्रुप ने मानव सेवार्थ पखवाड़े में 250 विद्यार्थियों को कराया भोजन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संत श्री सुधासागर आवासीय महाविद्यालय में हुआ सेवा कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान रीजन की ओर से 20 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित मानव सेवार्थ पखवाड़े के अंतर्गत गुलाबीनगर ग्रुप ने 1 अगस्त को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के संत श्री सुधासागर आवासीय महाविद्यालय में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्रुप सदस्यों ने देव दर्शन के साथ की। इसके बाद छात्रावास में अध्ययनरत लगभग 250 जैन विद्यार्थियों को एक समय का भोजन कराया गया। विद्यार्थियों ने भोजन से पूर्व णमोकार मंत्र की स्तुति की और इसके बाद

सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर गुलाबीनगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल-शशि जैन, अध्यक्ष सुशीला-विनोद बड़जात्या एवं पदमचंद भावसा ने श्रमण संस्कृति संस्थान के प्रबंधक विकास जैन, अधीक्षक प्रकाश जैन तथा ग्रुप के चेतन-रेखा जैन का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। बताया गया कि श्रमण संस्कृति संस्थान का प्रमुख उद्देश्य धार्मिक पर्वों पर विद्वानों की व्यवस्था करना, विभिन्न स्थानों पर धार्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना तथा संस्कारवान विद्वानों को तैयार करना है, जो वर्तमान भौतिक युग में परिवार एवं समाज को धार्मिक संस्कारों से जोड़ने में अपनी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के दौरान चेतन-रेखा जैन की ओर से संस्थान के सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आंवला कैंडी के डिब्बे वितरित किए गए। ग्रुप सदस्य विनोद-किरण झांझरी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए माला-दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। ग्रुप सदस्यों के सहयोग से संस्थान को 15 हजार रुपए एवं 3100 रुपए की सहयोग राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महावीर पांड्या, विनय अजमेरा, राजेन्द्र छाबड़ा, अशोक छाबड़ा, रमेश गंगवाल, नरेन्द्र सेठी, संजय कासलीवाल, प्रदीप बज, भागचंद जैन, प्रकाश कासलीवाल, महावीर कासलीवाल एवं प्रवीण जैन सहित अन्य सदस्यों की सहभागिता रही। अंत में ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने संस्थान के कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी ग्रुप सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का सेवा सप्ताह 16 अगस्त से, पोस्टर का हुआ विमोचन

23 अगस्त तक गौसेवा, भोजन-अनाज वितरण, पौधरोपण सहित होंगे विभिन्न सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की ओर से 16 से 23 अगस्त तक सेवा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। सेवा सप्ताह के दौरान जरूरतमंदों की सहायता, गौसेवा, भोजन एवं अनाज वितरण सहित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि सेवा सप्ताह के पोस्टर का विमोचन मीरा मार्ग, मानसरोवर स्थित जैन मंदिर में मुनि श्री 108 विलोक सागर महाराज एवं मुनि श्री विबोध सागर महाराज के सानिध्य में किया गया। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि सेवा सप्ताह का शुभारंभ 16 अगस्त को गौशाला में सेवा कार्यक्रम के साथ होगा, जिसके संयोजक विजय रिदी होंगे। 17 अगस्त को आश्रय केयर होम में जरूरतमंदों को अनाज वितरित किया जाएगा, जिसके संयोजक संजय चंचल लुवड़िया होंगे। 18 अगस्त को जेके लोन अस्पताल के बाहर जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संयोजक सुकेश सपना काला संभालेंगे। इसी क्रम में 19 अगस्त को सरकारी स्कूल में नित्य उपयोगी वस्तुओं एवं पौधों का वितरण किया जाएगा। इसके संयोजक पीयूष दिना जैन होंगे। 20 अगस्त को पक्षी चिकित्सालय में दवाइयों का वितरण किया जाएगा, जिसके संयोजक अजय रितु होंगे। 21 अगस्त को वृद्धाश्रम में फलों एवं नित्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक अभय अंजना गंगवाल होंगे। सेवा सप्ताह के तहत 22 अगस्त को जयपुर फुट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके संयोजक

सुनील बबीता होंगे। सेवा सप्ताह का समापन 23 अगस्त को अनाथ आश्रम के बच्चों के लिए फिल्म प्रदर्शन एवं दोपहर के भोजन के आयोजन के साथ होगा। इसके संयोजक हनी रानू जैन होंगे। पोस्टर विमोचन के अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष झझरी, उपाध्यक्ष सुकेश काला, संयुक्त मंत्री विजय जैन, मुख्य संयोजक पदम जैन, पीयूष जैन, सुनील जैन, अजय जैन एवं मनीष पापड़ीवाला सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सेवा सप्ताह के आयोजन में अध्यक्ष सुनील सोगानी, सचिव अजय जैन, मुख्य संयोजक पदम प्रीति जैन तथा संयोजक संजय निशा गोधा, अजय स्नेहलता गंगवाल एवं सुनील बबीता बड़जात्या सहित जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की टीम सक्रिय भूमिका निभाएगी।

त्रिमूर्ति मॉनसून रन में एयू जयपुर मैराथन 2027 के रजिस्ट्रेशन का भव्य शुभारंभ

कूकस स्थित नैचुरल फार्म स्टे में फ्रेंडशिप डे पर पंडित सुरेश मिश्रा एवं गणमान्य अतिथियों ने की आधिकारिक घोषणा, 14 फरवरी 2027 को होगी 18वीं एयू जयपुर मैराथन

जयपुर. शाबाश इंडिया। फ्रेंडशिप डे के अवसर पर कूकस स्थित नैचुरल फार्म स्टे में त्रिमूर्ति मॉनसून रन का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। सुबह 5 बजे एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा, त्रिमूर्ति बिल्डर्स के डायरेक्टर अभिषेक मिश्रा एवं नैचुरल फार्म स्टे की डायरेक्टर निशी जैन ने संयुक्त रूप से 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें 700 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दोस्ती, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एयू जयपुर मैराथन 2027 के रजिस्ट्रेशन का आधिकारिक शुभारंभ रहा। आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा ने विशिष्ट अतिथियों के साथ रजिस्ट्रेशन शुरू होने की आधिकारिक घोषणा की। इसके साथ ही 14 फरवरी 2027 को आयोजित होने वाली 18वीं एयू जयपुर मैराथन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गए। बड़ी संख्या में उपस्थित धावकों ने मौके पर ही पंजीकरण कर इस अवसर का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा, सीईओ मुकेश मिश्रा, नैचुरल फार्म स्टे की डायरेक्टर निशी जैन, त्रिमूर्ति बिल्डर्स के डायरेक्टर अभिषेक मिश्रा, एयू जयपुर मैराथन के रेस डायरेक्टर एवं जयपुर रनर्स क्लब के सह-संस्थापक रवि गोयनका, जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष दीपक शर्मा तथा प्रवीण जैन तिजारिया सहित रनिंग कम्युनिटी के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि एयू जयपुर मैराथन पिछले 17 वर्षों से केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत के निर्माण का जनआंदोलन बन चुकी है। यह केवल दौड़ नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने विश्वास जताया कि 18वां संस्करण देश और दुनिया के हजारों धावकों के लिए यादगार अनुभव बनेगा। एयू जयपुर मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा ने कहा कि 17 वर्षों की इस यात्रा में लाखों लोगों ने एयू जयपुर मैराथन को अपना बनाया है। फ्रेंडशिप डे पर रजिस्ट्रेशन की शुरूआत और वैलेंटाइन डे पर आयोजन का संदेश यही है कि दौड़ दोस्ती, प्रेम और स्वस्थ जीवन का उत्सव है। हमारा लक्ष्य 18वें संस्करण को हर मायने में अब तक का सबसे भव्य और यादगार आयोजन बनाना है। जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि त्रिमूर्ति मॉनसून रन में 700 से अधिक धावकों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि जयपुर में रनिंग अब केवल एक खेल नहीं, बल्कि सशक्त कम्युनिटी मूवमेंट बन चुकी है। जयपुर रनर्स क्लब का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ, अनुशासित और सक्रिय जीवनशैली से जोड़ना है। उन्होंने धावकों से अपने मित्रों और परिवार के साथ 14 फरवरी 2027 को होने वाली 18वीं एयू जयपुर मैराथन में भाग लेने का आह्वान किया। एयू जयपुर मैराथन के रेस डायरेक्टर एवं जयपुर रनर्स क्लब के सह-संस्थापक रवि गोयनका ने कहा कि जयपुर की रनिंग संस्कृति निरंतर मजबूत हो रही है। एयू जयपुर मैराथन केवल एक रेस नहीं, बल्कि अनुशासन, फिटनेस और सामुदायिक भावना का उत्सव है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी संस्करण नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। प्रवीण जैन तिजारिया ने कहा कि जयपुर रनर्स क्लब की सबसे बड़ी ताकत इसकी कम्युनिटी है। आज का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब उद्देश्य स्वास्थ्य और समाज हो तो हर कदम प्रेरणा बन जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि एयू जयपुर मैराथन 2027 सहभागिता के नए रिकॉर्ड स्थापित करेगी। नैचुरल फार्म स्टे की डायरेक्टर निशी जैन ने कहा कि कूकस स्थित नैचुरल फार्म स्टे में इस आयोजन की मेजबानी करना गर्व का विषय है। प्रकृति के बीच आयोजित ऐसे कार्यक्रम लोगों को स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामुदायिक जुड़ाव का संदेश देते हैं। भविष्य में भी नैचुरल फार्म स्टे ऐसे आयोजनों के साथ जुड़ा रहेगा। त्रिमूर्ति बिल्डर्स के डायरेक्टर अभिषेक मिश्रा ने कहा कि त्रिमूर्ति मॉनसून रन का उद्देश्य केवल दौड़ का आयोजन करना नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। एयू जयपुर मैराथन 2027 के रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ इसी मंच से होना गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान" का शुभारंभ

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ, 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार होंगे जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ''नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'' का शुभारंभ करते हुए देशभर के युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत द्वारा संचालित इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए जागरूक करने के साथ उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर जयपुर के रामबाग सर्किल स्थित एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना तथा उपस्थित युवाओं को ''नशामुक्त युवा'' की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 400 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। सुबोध शिक्षा समिति के सचिव सुमेर सिंह बोथरा, एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के संयोजक विनय चंद डागा एवं प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

नशे के विरुद्ध जनआंदोलन खड़ा करें युवा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में युवाओं से नशे के विरुद्ध जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से समाज में जागरूकता फैलाने तथा नशे के विरुद्ध सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

नशा जीवन का नाश करता है: राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नशा जीवन का नाश करता है और इससे मुक्ति के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए मादक पदार्थों से दूर रहने तथा इनकी बिक्री और आपूर्ति करने वालों को पकड़वाने में सहयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जनसहभागिता बढ़ाने पर भी बल दिया। उन्होंने ''नशामुक्त राजस्थान'' के निर्माण के लिए व्यापक जन-अभियान चलाने का आह्वान किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही नशामुक्त राजस्थान और नशामुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

देशभर में एक करोड़ से अधिक युवाओं की भागीदारी

अभियान के अंतर्गत देशभर के लगभग 10 हजार स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवाओं ने भाग लिया। इनमें माय भारत स्वयंसेवक, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, युवा मंडलों के सदस्य, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा विभिन्न संस्थाओं के युवा सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम के साथ आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार आयोजित किए जाने वाले ''नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'' की शुरूआत भी हुई। अभियान के अंतर्गत नियमित रूप से वॉकाथॉन, खेल एवं फिटनेस गतिविधियां, योग एवं ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैलियां तथा अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सावन की फुहारों के बीच लहरिया उत्सव में बिखरे भक्ति, संस्कृति और उल्लास के रंग

महिलाओं ने जिनालयों के दर्शन-वंदन के साथ लिया मुनिसंघ का मंगल आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी, ज्योति नगर महिला मंडल के तत्वावधान में सावन मास के पावन अवसर पर लहरिया उत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ किया गया। इस दौरान महिलाओं ने मोजमाबाद, जिन शासन, नारेली एवं सावरदा स्थित पावन जिनालयों के दर्शन एवं वंदना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर महिलाओं ने आचार्य शिरोमणि विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य मुनि निष्पक्ष सागरजी महाराज एवं मुनि निस्पृह सागरजी महाराज का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ लिया। महिला मंडल की अध्यक्षा अनीता बिंदायका, मंत्री सुलोचना पाटनी एवं कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया कि कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण लहरिया क्वीन प्रतियोगिता रही। इसमें अर्चना जैन एवं पूनम जैन को संयुक्त रूप से ''लहरिया क्वीन'' घोषित किया गया। कार्यक्रम में मंजू बड़जात्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राज चौधरी को ''नारी गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया गया। हाउजी प्रतियोगिता का प्रायोजन सुलोचना टोंग्या ने किया, जबकि पुरस्कार वितरण मृदुला सोगानी के करकमलों से किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मीना चांदवाड़, शीला सेठी एवं शकुंतला बिंदायका का विशेष योगदान रहा। वहीं सुनीता भोंच, मधु पाण्ड्या, अंजना शास्त्री, छाया ठोलिया एवं बीना शाह ने भी आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया।

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागरजी महाराज के 33वें वर्षायोग का मंगल कलश स्थापना समारोह संपन्न

जयपुर सहित विभिन्न राज्यों और शहरों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

नसियां भट्टारकजी, जयपुर में वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमलसागरजी मुनिराज के अंतिम दीक्षित शिष्य पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागरजी मुनिराज के 33वें वर्षायोग के उपलक्ष्य में मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में जयपुर सहित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, ग्वालियर, इंदौर, ऋषभदेव, साबला, दौसा, उदयपुर, कोटा एवं सलूम्बर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। चातुर्मास समिति के महामंत्री सुखानन्द जैन ने बताया कि समारोह का शुभारंभ धार्मिक विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण से हुआ। ध्वजारोहण का सौभाग्य वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि चित्र अनावरण का सौभाग्य सुभाष जैन एवं शशि जैन जौहरी परिवार (सी-स्कीम, जयपुर) को प्राप्त हुआ। समन्वयक मनीष बैद ने बताया कि दीप प्रज्वलन का

पुण्यलाभ पुष्पलता काला, धर्मपत्नी स्वर्गीय विद्याविनोद काला तथा विवेक-आशा काला परिवार को मिला। विधानाचार्य पं. मुकेश जैन शास्त्री 'मधुर' के निर्देशन में धार्मिक अनुष्ठान एवं मंगलाचरण सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं।

आध्यात्मिक प्रवचनों से समारोह का वातावरण धर्ममय बना रहा। प्रचार संयोजक बाबूलाल जैन ईटून्दा ने बताया कि मुख्य मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य मातोश्री गुन्नी देवी, रवि कुमार-खुशबू गोधा, अक्षिता, अवनी एवं अनिका गोधा, ऑरलिया वालों को प्राप्त हुआ। वहीं पाद प्रक्षालन का पुण्यलाभ समाजश्रेष्ठी हर्षचंद-मनोहर सम्यक सोगानी परिवार, पहाड़ी वाले, दुर्गापुरा को मिला। समारोह के सफल आयोजन पर चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सभी श्रद्धालुओं, दानदाताओं, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही आगामी धार्मिक आयोजनों में भी इसी प्रकार सहभागिता बनाए रखने का आग्रह किया गया।